UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

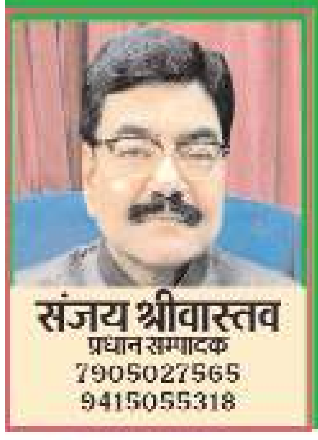
संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-231 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 03 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

किसानों के बच्चों के लिए खुशखबरी! हर महीने मिलेंगे 5000 रुपये

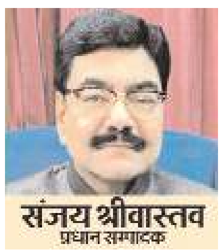
संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। खेती किसानी में अक्सर किसानों के पास बहुत ज्यादा पैसे नहीं हो पाए और इसी के चलते कई किसान अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दिलवा पाते हैं.केंद्र सरकार और राज्य सरकार है किसानों को अलग-अलग योजनाओं के तहत लाभान्वित करती है. हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य के किसानों के लिए नई सौगात दी गई है . इस योजना के तहत किसानों के बेटे बेटियों को पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद में इजाफा कर दिया गया है. .उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना की राशि बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति माह करने का फैसला लिया है. पहले इस योजना के तहत मिलने वाली राशि 3000 रुपये थी. सरकार का मकसद है कि किसान परिवारों के होनहार बच्चों को पढ़ाई में पैसों की परेशानी का

सामना न करना पड़े और वे अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा सकें. किसान परिवारों में अक्सर बच्चों की पढ़ाई का खर्च एक बड़ी चिंता बन जाता है. खेती से होने वाली कमाई कई बार मौसम और बाजार की स्थिति पर निर्भर रहती है. ऐसे में बच्चों की उच्च शिक्षा का खर्च उठाना आसान नहीं होता. इसी परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाया गया है. अब पात्र छात्रों को हर महीने 5000 रुपये की आर्थिक मदद मिलेगी. इस योजना का फायदा खासतौर पर उन मेधावी बच्चों को मिलेगा जो किसान परिवार से आते हैं और आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं. सरकार की कोशिश है कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से किसी बच्चे की पढ़ाई न रुके. यह सहायता राशि छात्रों की फीस किताबें और दूसरी जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है. किसानों के बच्चों के लिए यह योजना सिर्फ आर्थिक मदद नहीं बल्कि आगे बढ़ने का एक मौका भी है. गांवों में कई ऐसे छात्र हैं जो पढ़ाई में अच्छे होते हैं लेकिन पैसों की कमी के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते. छात्रवृत्ति मिलने से ऐसे बच्चों को नई उम्मीद मिलेगी और वे बेहतर शिक्षा हासिल कर सकेंगे. मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना में राशि बढ़ाने का फैसला किसानों के बच्चों के लिए राहत लेकर आया है. पहले छात्रों को हर महीने 3000 रुपये की मदद मिलती थी जिसे अब बढ़ाकर 5000 रुपये कर दिया गया है. यानी अब छात्रों को पहले के मुकाबले ज्यादा आर्थिक सहायता मिलेगी. अगर देखा जाए तो सालभर में यह सहायता राशि 60 हजार रुपये तक पहुंच जाती है. इससे छात्रों को पढ़ाई से जुड़े कई खर्चों में मदद मिल सकती है. खासकर ग्रामीण इलाकों के उन परिवारों के लिए यह योजना काफी फायदेमंद हो सकती है जिनकी आय सीमित होती है. सरकार इस योजना का दायरा बढ़ाने पर भी जोर दे रही है जिससे ज्यादा से ज्यादा योग्य किसान परिवारों के बच्चे इसका लाभ उठा सकें. अधिकारियों को योजना का लाभ अधिक छात्रों तक पहुंचाने के लिए काम करने के निर्देश दिए गए हैं. आज के समय में शिक्षा किसी भी परिवार के विकास की सबसे बड़ी ताकत है. किसान परिवारों के बच्चे भी बेहतर शिक्षा लेकर नए क्षेत्रों में आगे बढ़ सकें इसी सोच के साथ इस तरह की योजनाएं शुरू की जा रही हैं. यह पहल ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर सकती है. मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना का लाभ लेने के लिए छात्रों का किसान परिवार से जुड़ा होना और तय पात्रताओं को पूरा करना जरूरी होगा.

ऋतिक रोशन के एक कमेंट के बाद फिर गरमाया पुराना विवाद, भड़कीं कंगना रनौत, बोलीं- 'आग में घी डालना बंद कीजिए'

(यंग भारत न्यूज)

बॉलीवुड के सबसे चर्चित विवादों में शामिल ऋतिक रोशन और कंगना रनौत का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. सोशल मीडिया पर ट्रेंड शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद ऋतिक रोशन ने इस पर रिएक्ट किया. उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया के ट्रेंड देखकर किसी एक पक्ष का सपोर्ट न करने और फैक्ट्स का इंतजार करने की बात कही. हालांकि, ऋतिक की यह प्रतिक्रिया कंगना को पसंद नहीं आई और उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए एक्टर को जवाब दिया.

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में ऋतिक रोशन की प्रतिक्रिया से जुड़ी एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें खुशी है कि ऋतिक को अपनी जिंदगी में सबा आजाद के रूप में सही साथी मिल गया है और दोनों साथ में अच्छे लगते हैं. कंगना ने लिखा, प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि आपको अपना परफेक्ट पार्टनर सबा आजाद मिल गई हैं. आप दोनों साथ में बहुत अच्छे लगते हैं. आप एक कमिटेड रिश्ते में हैं, ऐसे में किसी महिला को इस तरह छेड़ना आपको शोभा नहीं देता. इसके बजाय आपको उन लोगों की निंदा करनी चाहिए जो आपके नाम का इस्तेमाल करके मुझे परेशान और बुली कर रहे हैं. कृपया इस मामले में और आग मत लगाइए और अपनी पार्टनर को भी असहज स्थिति में मत डालिए. उम्मीद है कि आप समझदारी से काम लेंगे और ऐसे बेवजह के बयान देना बंद करेंगे. इससे पहले लेखक फ्रेडी बर्डी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था कि 'दुनिया को ऋतिक रोशन से माफी मांगनी चाहिए.' इस पोस्ट को कई लोगों ने साल 2016 में ऋतिक और कंगना के बीच हुए विवाद से जोड़कर देखा. इस पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए एक्टर ने लिखा, सिर्फ इसलिए किसी एक व्यक्ति का साथ देना कि अब आपको दूसरा व्यक्ति पसंद नहीं है, हमारे समाज की बड़ी समस्या का हिस्सा है. मैं इंतजार करूंगा कि जब पूरे फैक्ट और सही संदर्भ के साथ बात सामने आए, तभी कोई राय बनाई जाए. वही निष्पक्ष होगा. लेकिन आजकल इसकी परवाह आखिर करता ही कौन है ?

यूपी में बिछने लगी सियासी बिसात, सपा के वोट छिनने की तैयारी साफ, रावण मास्टरस्ट्रोक से अखिलेश को देंगे मात!

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में सियासी बिसात बिछने लगी है। एक ओर राम मंदिर चढ़ावा विवाद के बाद अखिलेश यादव को योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलने का मौका मिल गया है। तो वहीं दूसरी ओर मायावती ने भी अपनी पार्टी से गैरजिम्मेदार नेताओं को हटाना शुरू कर दिया है। इस चुनावी रण में चंद्रशेखर आजाद रावण ने भी अपनी साख जमानी शुरू कर दी है। इस बार उनकी नजर अखिलेश के वोट बैंक को कम करने की नजर आ रही है। इस पर पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स ने भी इस चुनावी रण का गणित अभी से साफ कर दिया है।

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने 45 सीटों पर उम्मीदवार उतारकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक चुनौती खड़ी करने की कोशिश की है। पार्टी ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज के नेताओं को मैदान में उतारकर पीडीए के

समानांतर सामाजिक समीकरण साधने का प्रयास किया है।

45 उम्मीदवारों का सामाजिक समीकरण

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, 45 घोषित उम्मीदवारों में 18 अनुसूचित जाति , 16 अन्य पिछड़ा वर्ग , 10 मुस्लिम और एक सिख समुदाय से हैं। पार्टी ने लखनऊ छावनी, गोविंद नगर, विश्वनाथगंज सहित पांच सामान्य सीटों पर भी अनुसूचित जाति के उम्मीदवार उतारे हैं।

समुदाय	उम्मीदवारों की संख्या	प्रतिशत
अनुसूचित जाति	18	40%
अन्य पिछड़ा वर्ग	16	36%
मुस्लिम	10	22%
सिख	1	2%
कुल	45	100%

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि उम्मीदवारों के सामाजिक समीकरण से स्पष्ट है कि आजाद समाज पार्टी ने सपा और कांग्रेस के सामने नई चुनौती पेश करने की रणनीति बनाई है। उनके अनुसार, बसपा के जनाधार में आई गिरावट के बाद आजाद समाज पार्टी अब तक खुद को उसके विकल्प के रूप में पेश कर रही थी, लेकिन 45 उम्मीदवारों की सूची बताती है कि अब वह बसपा के साथसाथ सपा और कांग्रेस को भी चुनौती देने की रणनीति पर काम कर रही है। 16 ओबीसी, 18 दलित, 10 मुस्लिम और एक सिख उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने अपने चुनावी लक्ष्य का स्पष्ट संकेत दिया है ।वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतन मणि लाल का मानना है कि चंद्रशेखर आजाद ने इस बार अपनी चुनावी रणनीति बदलते हुए सीधे समाजवादी पार्टी के राजनीतिक आधार को चुनौती देने की कोशिश की है। शुरुआती दौर में चंद्रशेखर की राजनीति का केंद्र बसपा थी, लेकिन अब उन्होंने खुद को समाजवादी पार्टी के विकल्प के रूप में स्थापित करने की रणनीति अपनाई है।

प्रमुख राजनीतिक दलों की रणनीति

दल	रणनीति / फोकस
आजाद समाज पार्टी	दलित, ओबीसी, मुस्लिम और सिख वोटों पर फोकस
समाजवादी पार्टी	पीडीए समीकरण
बहुजन समाज पार्टी	पारंपरिक दलित वोट बैंक बचाने की चुनौती
भाजपा	विपक्षी दलों के बीच मुकाबले पर नजर

पीडीए फॉर्मूले से मेल खाती रणनीति

रतन मणि लाल कहते हैं कि जिन सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं, वहां के सामाजिक समीकरण समाजवादी पार्टी के पीडीए फार्मूले से मेल खाते हैं। दलित, पिछड़े और मुस्लिम समुदाय पर फोकस बताता है कि चंद्रशेखर अब बसपा से ज्यादा सपा के वोट बैंक में राजनीतिक हस्तक्षेप करना चाहते हैं। हालांकि, उनका कहना है कि फिलहाल आजाद समाज पार्टी का संगठन और चुनावी ढांचा इतना मजबूत नहीं है कि वह बड़े पैमाने पर सपा को चुनावी नुकसान पहुंचा सके। इसके बावजूद चंद्रशेखर ने के भीतर राजनीतिक असहजता जरूर पैदा कर दी है। आजाद समाज पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुनील चितौड़ ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी स्वतंत्र राजनीतिक विचारधारा के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है और किसी दल की 'बीटीम' नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना है और उम्मीदवारों की अगली सूची 10 से 12 दिनों के भीतर जारी की जाएगी। सुनील चितौड़ ने कहा कि राजनीति में गठबंधन की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं।

यदि भविष्य में किसी दल की ओर से बातचीत होती है तो इस पर अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद करेंगे। सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी टिकट जाति नहीं, बल्कि विचारधारा और संगठन से जुड़ाव के आधार पर देती है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा कि सपा की लड़ाई पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के अधिकारों की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ मुद्दे उठाने वाली हर राजनीतिक ताकत विपक्ष के संघर्ष को मजबूत करती है। को लेकर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उन्हें अपना राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं मानती। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजाद समाज पार्टी के साथ फिलहाल गठबंधन को लेकर कोई बातचीत या पहल नहीं हुई है।

मेनका गांधी से क्यों छिनी अरबों की 522 एकड़ पुश्तैनी जमीन, किसे मिली? 51 साल पुराना विवाद खत्म

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है. भोपाल स्थित अरबों रुपये की 522 एकड़ पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई में जबलपुर हाईकोर्ट ने मेनका गांधी और उनकी बहन अंबिका शुक्ला की याचिका खारिज कर दी है.

हाईकोर्ट के इस फैसले से 51 साल पुरानी पारिवारिक जमीनी विवाद खत ?म हो गया. अब इस पुश्तैनी जमीन खत्म पर उनके रिश्ते के भाई वीएम सिंह का अधिकार होगा. कोर्ट के फैसले के बाद भोपाल में जमीन नामांतरण की प्रक्रिया भी तेज हो गई है. यह मामला भोपाल के हुजूर तहसील में आने वाले बहेटा, बोरबन और लाऊखेड़ी क्षेत्र की 522 एकड़ बेशकीमती जमीन से जुड़ा है. कानूनी रूप से इस विवाद की शुरुआत साल 1975 में दिल्ली हाईकोर्ट में दायर एक बंटवारे के मुकदमे से हुई थी. करीब 22 साल चली सुनवाई के बाद 1993 में हुए पारिवारिक समझौते के आधार पर कोर्ट ने इस पर फैसला सुनाया था. जमीन विवाद में मेनका गांधी को उनकी मां के द्वारा अतीत में लिए गए एक फैसले से लगा है, जिसके तहत उनकी मां अमतेश्वर ने मध्य प्रदेश की सभी पुश्तैनी जमीनों और संपत्तियों से अपना और अपने वारिसों का अधिकार लिखित रूप से त्याग दिया था. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मेनका गांधी और उनकी अंबिका शुक्ला

बहन की याचिका को निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि जब समझौते के तहत अधिकार पहले ही समाप्त हो चुके थे, तो अब आपत्ति जताने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता. हाईकोर्ट में दायर याचिका में मेनका गांधी की ओर से आरोप लगाया गया था कि उनके भाई वीएम सिंह ने बिना उन्हें पक्षकार बनाए पूर्व में नामांतरण का आदेश हासिल कर लिया था. इसके जवाब में वीएम सिंह की ओर से तर्क दिया गया कि जिन आपत्तियों को सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है, उन्हें ही बार-बार अदालत में लाया जा रहा था. अब जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विवादित जमीन का नामांतरण आधिकारिक रूप से वीएम सिंह के नाम पर दर्ज करने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है.

एआईएमआईएम पार्टी के लोगों ने बैठक कर होने वाले विधानसभा चुनाव पर प्रत्याशी को जीताने के लिए बनी रणनीति

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 2 अगस्त। ओवैसी पार्टी के लोगों ने नगर के मोहल्ले में बैठक कर वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा के चुनाव पर अपने प्रत्याशी को जीताने के लिए हुंकार भरी।

नगर के मोहल्ला राम चबूतरा स्थित पार्टी कार्यालय में जिला महासचिव एनुल हसन मंसूरी ने बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं से जोशीले भाषण देते हुए कहा कि आजादी के बाद अभी तक हम लोग वोट देकर कई सांसद और विधायक बनाए हैं अब -2027 में अपने पार्टी के प्रत्याशी को जी जान से जुट कर सभी कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी को जीताकर लखनऊ राजधानी भेज कर सरकार बनाने में अपनी सहभागिता अवश्य होगी जिससे हमारे समाज को योजनाओं का भरपूर लाभ मिल सकेगा जिला सचिव राशिद चिश्ती ने उद्बोधन करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता जी जान से जुटकर बुथ स्तर से लेकर मतदाताओं के बीच जाकर अपने पार्टी के नेता ओवैसी के कार्यों का जमकर बखान कर पार्टी को दिनों दिन मजबूत करने में सदैव अग्रसर रहने का आवाहन किया नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी ने आए हुए जिले से पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट कर स्वागत करते हुए अभिवादन किया बैठक में सपा एवं बसपा पार्टी को छोड़कर दो दर्जन लोग पार्टी में शामिल हुए शामिल होने वाले लोगों को मौजूद जिले के पदाधिकारी ने गले से लगाकर स्वागत किया तथा उत्साह वर्धन किया उरई विधानसभा अध्यक्ष सलीम मंसूरी ने बैठक का संचालन किया बैठक में मौजूद लोगों में जिला मीडिया प्रभारी तारीख अनबर रहमानी जिला कोषाध्यक्ष फहीम खान सद्दाम कुरैशी इरफान अंसारी कामिल अंसारी रमजान मंसूरी एहसान मंसूरी अरशद मंसूरी इदरीश खान राशिद खान मोहम्मद शाहबाज खान आदि लोग मौजूद थे।

जनपद पुलिस की बड़ी उपलब्धि, आईजीआरएस शिकायत निस्तारण में प्रदेश में प्रथम स्थान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद जालौन पुलिस ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। माह जुलाई-2026 की आईजीआरएस (एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली) रैंकिंग में उत्तर प्रदेश में जनपद जालौन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही जनपद के 19 थानों में से 17 थानों ने भी अपनी-अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि पुलिस अधीक्षक जालौन के नेतृत्व तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल अधिकारी) के सतत पर्यवेक्षण में प्राप्त हुई है। अधिकारियों द्वारा समय-समय पर क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के निर्देश दिए जाते रहे हैं। शिकायतों की जांच अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर तथ्यों का सत्यापन करते हैं तथा नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। जालौन पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी आमजन की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण इसी प्रकार जारी रखा जाएगा, ताकि जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में कागजों पर बना है खेल का मैदान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में कागजों पर खेल का मैदान बना है लेकिन धरातल पर इसका कोई अस्तित्व नहीं है। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम कुठौंदा बुजुर्ग में खेल मैदान के लिए सरकारी अभिलेखों में खेल के मैदान के निर्माण, कटीली तार लगाने और समतलीकरण के लिए बजट जारी कर दिया गया, धरातल पर उसका कोई वजूद ही नहीं है। ग्रामीण गजेंद्र सिंह सेंगर ने आरोप लगाया कि उन्होंने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। जब उन्होंने जानकारी की तो पता चला कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के सितंबर महीने में ग्राम पंचायत कुठौंदा बुजुर्ग में खेल का मैदान निर्माण, तार बाड़ लगाना और समतलीकरण व्यय दर्शाया गया है। यह कार्य राज्य के पांचवें वित्त आयोग के तहत कराया गया था। सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक यह कार्य वर्ष 2022-2023 की योजना के तहत स्वीकृत किया था। जबकि सचिव का कहना है कि गांव में कोई खेल का मैदान नहीं है। बताया कि उन्होंने 18 जुलाई को गांव के खेल के मैदान की दो साल से सफाई नहीं होने से संबंधित शिकायत की थी। जिसके निस्तारण में यह चौंकाने वाली जानकारी सचिव द्वारा दी गई है कि गांव में कोई खेल का मैदान नहीं है। यदि गांव में खेल का मैदान नहीं है तो वह व्यय की गई धनराशि कहां खर्च हुई है इसकी जांच कराई जाए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बीहण गांव में फ्लैग मार्च निकालकर अपराधियों को चिताया तथा जनता को सुरक्षा का कराया एहसास

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 2 अगस्त। चेहल्लम के त्यौहार को सकुशल तरीके से संपन्न कराने तथा यमुना के बीहड़ ग्रामों में सदैव अमन शांति बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक की अगवाई में सीओ प्रभारी निरीक्षक की उपस्थिति में पुलिस बल तथा पीएसी पुलिस जवानों के साथ यमुना के तट पर बसे ग्रामों में फ्लैग मार्च निकालकर अपराधी तथा शरारती तत्वों को जमकर चेताया तथा सुरक्षा का संदेश दिया।

रविवार की शाम अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईशान सोनी सीओ राजेश कमल प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी आदि सर्वाधिक उप निरीक्षक पुलिस जवान तथा एक बटालियन पीएससी के साथ कोतवाली कालपी से फ्लैग मार्च का आगाज करते हुए यमुना तट पर बसे ग्रामों से निकाल कर ग्राम गुलौली पहुंचकर गांव की विभिन्न सड़कों में फ्लैग मार्च निकालकर एएसपी ने शरारती अपराधी तत्वों को जमकर ललकारते हुए कहा कि किसी भी ने अमन शांति के माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की ऐसे लोगों पर कानून का डंडा चला कर मुकदमा कायम कराकर जेल की सलाखों में भिजवाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी उन्होंने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपनी जिंदगी सही सलामत से रखना चाहते हैं तो घर में रहकर अपना जीवन बिताये नहीं तो जनपद छोड़कर कहीं दूसरी जगह अपना डेरा जमा ले तभी जिंदगी सही सलामत से बच सकेगी यदि भ्रमण दौरान जरा भी अपराध करने की यदि शिकायतें मिली तो ऐसे लोगों के सारे मंसूबे ध्वस्त कर जिंदगी जेल में ही बितवा दूंगा फ्लैग मार्च करने वालों में अतिरिक्त इंस्पेक्टर अवनीश कुमार हल्का इंचार्ज देवेंद्र सिंह भदोरिया आदि पुलिस बल एवं पीएसी जवान मौजूद थे।

फोटो एएसपी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकालते हुए।

माता पिता और पुत्री ने एक दंपति को बुरी तरह पीटा

हमलावरों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

एक ग्राम में तीन दिन पूर्व दंपति की मारपीट की घटना को लेकर पीड़ित पति की तहरीर पर कालपी पुलिस ने पति पत्नी पुत्री हमलावर के खिलाफ जुर्म धारा 115(2) 352 351(2) के तहत मुकदमा कायम कर विवेचना ज्ञान भारती छौंक चौकी प्रभारी विपिन यादव को जांच सौपी।

ग्राम छौक निवासी शैलेंद्र पुत्र घनश्याम ने कोतवाली कालपी में मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया कि 29 जुलाई बुधवार सुबह 10 बजे घर के दरवाजे में मैं तथा मेरी पत्नी शिवकुमारी मौजूद थे नाली के मामले को लेकर तथा आकोर्षित होकर अचानक मेरे गांव के निवासी सरोज पुत्र कामता अभिलाषा पत्नी सरोज शालिनी पुत्री सरोज समेत तीनों लोगों ने गाली गलौज कर लाठी डंडों से पीट कर मेरी पत्नी को बुरी तरह घायल किया मुझे भी मारा घटना में शोरगुल सुनकर के पड़ोसी लोग आए उन्होंने हमलावरों को ललकारा तभी हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग खड़े हुए उक्त घटना में कालपी पुलिस ने दंपतियों की पूर्व में डॉक्टरी करवा कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

उरई में भारतीय चौरसिया महासभा ने नागपंचमी पर्व और 'चौरसिया दिवस' की तैयारियों को लेकर की बैठक, मंदिर निर्माण हेतु 1000 वर्ग फीट भूमि का हुआ पूजन

(यंग भारत न्यूज)

उरई। भारतीय चौरसिया महासभा उरई जालौन के तत्वावधान में रविवार को पान मंडी स्थित कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष शिवकुमार चौरसिया उर्फ मोहन के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में आगामी नागपंचमी पर्व और 'चौरसिया दिवस' को भव्यता से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। ?बैठक के दौरान समाज के संगठन को मजबूत करने और सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष शिवकुमार चौरसिया ने कहा कि नागपंचमी और चौरसिया दिवस समाज के लिए गर्व का प्रतीक हैं, जिन्हें इस बार पूरे हर्षोल्लास और एकजुटता के साथ मनाया जाएगा। ?बैठक के समापन के उपरांत महासभा के पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु राठ रोड उरई स्थित संकटा माता कॉलोनी पहुंचे। वहां समाज के समाजसेवी अशोक कुमार चौरसिया (केके ग्रुप) द्वारा श्री चौरऋषि महाराज के मंदिर निर्माण हेतु 1000 वर्ग फीट भूमि दान में दी गई। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दान की गई भूमि का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास किया गया भूमि-पूजन के बाद पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समाज के लोगों ने परिसर में पौधारोपण भी किया। दानदाता अशोक कुमार चौरसिया का समाज के प्रबुद्धजनों ने माल्यार्पण कर आभार व्यक्त किया। ?इस दौरान महासभा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मंदिर निर्माण में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

फेसबुक पर मूर्तिपूजा के खिलाफ पोस्ट डालने को लेकर हिंदू संगठनों में उबाल, दी कोतवाली में तहरीर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। फेसबुक पर मूर्तिपूजा के खिलाफ पोस्ट करने को लेकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों ने धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कहते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जाचं कर रही है। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों में अनुराग तिवारी, सत्यम राठौर, मानवेंद्र परिहार, अनूप कुशवाहा, विशाल राठौर, राहुल कुशवाहा, निशांत अवस्थी, दीपेंद्र राठौर आदि ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि आशीष वर्मा नामक व्यक्ति के फेंसबुक पोस्ट पर मूर्तिपूजा को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की गई है। इस पोस्ट से सनातम धर्म को मानने वाले व्यक्तियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसी पोस्ट से समाज में आपसी सौहाई भी बिगड़ने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में इस पोस्ट को डालने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। ताकि भविष्य में कोई इस प्रकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली पोस्ट न करे। पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है।

दो युवकों ने युवक को चाकू से हमला कर कर दिया घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। कैफे में खाना खाते समय मामूली कहासुनी के बाद दो युवकों ने एक युवक के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। हमले में युवक के बाएं हाथ में चोट आई हैं और वह घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहाव निवासी वेदांत गुर्जर ने पुलिस को बताया कि एक अगस्त को दोपहर करीब ढाई बजे वह अपने मित्रों के साथ कोंच रोड स्थित द फ्लेवर हब कैफे पर खाना खाने गया था। इसी दौरान ग्राम रूरा सिरसा हाल निवासी मोहल्ला रावतान अभय तोमर और उसी मोहल्ले का राघवेंद्र यादव वहां पहुंच गए और गाली, गलौज शुरू कर दी। जब उन्हें गाली देने से मना किया तो दोनों ने थप्पड़-घूसों से मारना-पीटना शुरू कर दिया। आरोप लगाया कि इसी दौरान राघवेंद्र ने चाकू से उसके बाएं हाथ पर वार कर दिया, जिससे हाथ काफी दूर तक कट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कराया तो वह जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। पुलिस ने पीड़ित का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल हरीशंकर चंद ने बताया कि तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

झगड़ा कर रहे तीन लोगों को कालपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 2 अगस्त। गैर जनपद के दो लोग तथा एक ग्राम समेत तीन लोगो को झगड़ा करना महंगा पड़ा वही पुलिस टीम ने अलग-अलग जगह से उपरोक्त तीनों को गिरफ्तार कर जुर्म धारा 170 126 135 के तहत पुलिस विरासत में अभियुक्तों को जेल भेजा।

कोतवाली कालपी उप निरीक्षक हल्का इंचार्ज देवेंद्र सिंह भदोरिया पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वहीं झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम गुलौली निवासी वशीम पुत्र सलीम पड़ोसी व्यक्ति को गाली गलौज कर झगड़ा कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया इसी क्रम में उप निरीक्षक रामजीलाल प्रजापति पुलिस बल के साथ नगर में भ्रमण कर रहे थे वहीं जनपद कानपुर देहात कल सुबह पुखरायां निवासी गण सुमित पुत्र मनोज उमेश पुत्र कल्लू समेत दोनों लोग आपस में गाली गलौज कर झगड़ा कर रहे थे तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटनाओं में कालपी पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ अलग-अलग चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

सुबहानी जामा मस्जिद में 12 अगस्त को मनाया जाएगा उर्स ए आला हजरत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। आगामी 12 अगस्त को मोहल्ला नारोभास्कर स्थित सुबहानी जामा मस्जिद में उर्स ए आला हजरत मनाया जाएगा। जिसको लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सुबहानी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना शहाबुद्दीन ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी सुबहानी जामा मस्जिद में उर्स ए आला हजरत मनाया जा रहा है। इसके लिए 12 अगस्त का दिन तय किया गया है। उर्स में मेहमान खुसूसी के तौर पर बरेली शरीफ से हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती आरिफ रजा कुरैशी तशरीफ ला रहे हैं। उनके साथ मौलाना अनवार अहमद कानपुरी, शायरे इस्लाम मुहम्मद अली फैजी भी तशरीफ लाएंगे। उन्होंने कहा कि उर्स ए आला हजरत को लेकर सभी अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं। बैठक में लोगों को उर्स की तैयारियों को लेकर जिम्मेदारियां दी गईं। उन्होंने नगर व क्षेत्र के लोगों से भी उर्स में तशरीफ लाने की अपील की है।

प्रधान के बेटे की हत्या करने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

झांसी। झांसी में महिला प्रधान के बेटे संजय सिंह की हत्या करने वाले 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश जितेंद्र यादव उर्फ जीतू को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है। आरोपी के कब्जे से थार गाड़ी, तमंचा, कारतूस और चेक प्रपत्र बरामद हुए हैं। जीतू पिछले 10 दिनों से फरार था। शनिवार देर रात करीब 1 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने झांसी-खजुराहो हाईवे से भगवंतपुरा जाने वाले कच्चे रास्ते पर उसकी घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस की यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले दो मुठभेड़ों में शूटर हुसैन समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीओ सिटी रामवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि हत्या में फरार आईटीआई सिद्धेश्वर नगर निवासी जितेंद्र यादव उर्फ जीतू थार गाड़ी से भगवंतपुरा की ओर आने वाला है। नवाबाद पुलिस और स्वाट टीम ने घेराबंदी की। आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। पुलिस के अनुसार, मृतक के दोस्त धर्मेंद्र और अजय ने जीतू के माध्यम से अजीम सेफी उर्फ भीम और हुसैन उर्फ खड्डा को हत्या की सुपारी दिलाई थी। घटना वाले दिन जीतू ही शूटर हुसैन को बाइक से रेस्टोरेंट लेकर पहुंचा था और वारदात के बाद उसे लेकर फरार हो गया था। इससे पहले अजीम सेफी, शूटर हुसैन और धर्मेंद्र सिंह गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि अजय अभी फरार है। पुलिस जांच में सामने आया कि संजय सिंह, धर्मेंद्र परिहार और अजय यादव प्रॉपर्टी का काम करते थे। धर्मेंद्र के 5 हजार वर्गफीट के प्लॉट पर संजय ने कथित तौर पर कब्जा कर लिया था। वहीं अजय यादव की जमीन को लेकर भी विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक इन्हीं विवादों के चलते संजय की हत्या की साजिश रची गई। धर्मेंद्र और अजय ने जितेंद्र यादव, अजीम सेफी और हुसैन को हत्या की सुपारी दी। आरोपियों को 50 हजार रुपये एडवांस दिए गए थे, जबकि बाकी रकम वारदात के बाद दी जानी थी। 23 जुलाई को संजय अपने दोस्तों के साथ इलाइट चौराहे के पास स्थित द मेड किचन रेस्टोरेंट में खाना खा रहा था। उसने अपने दोस्त धर्मेंद्र को भी बुलाया था। धर्मेंद्र ने अजय को संजय के रेस्टोरेंट में होने की सूचना दे दी। इसके बाद आरोपी कार और बाइक से वहां पहुंचे। शूटर हुसैन रेस्टोरेंट के अंदर गया और संजय के सिर पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय की मौत हो गई, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए।

भोले की भक्ति में डूबे शिवभक्त, पहले सोमवार को लेकर मठ मंदिरों में हो रही तैयारियां

महाकालेश्वर और भूतेश्वर मंदिरों में हो रही है खास सजावट

(यंग भारत न्यूज)

कोंच। आजकल सनातन संस्कृति को मानने वाले लोग भगवान भूतनाथ की आराधना में लीन हैं। बैसे तो पूरा श्रावण मास ही भगवान शिव को समर्पित है लेकिन सावन के सोमवार के खास महत्व को देखते हुए नगर व क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों, शिवालयों और मठों में 3 अगस्त को पड़ने वाले पहले सोमवार को लेकर खास तैयारियां की जा रही हैं। भगवान भूतेश्वर और महाकालेश्वर मंदिरों को खासतौर पर उम्दा ढंग से सुसज्जित किया जा रहा है।

चार दिन पूर्व 30 जुलाई से श्रावण मास का शुभारंभ हो चुका है और इसी के साथ भगवान भोलेनाथ शिव की आराधना करने में शिवभक्त संलग्न हो गए हैं। माना जाता है कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को अति प्रिय है और जो भी इस पूरे महीने विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना करता है उस पर भगवान भूतनाथ की विशेष कृपा बरसती है। सावन के सोमवार में की जाने वाली पूजा से बाबा शंकर अति प्रसन्न होकर भक्तों को इच्छित फल प्रदान करते हैं। 3 अगस्त को पड़ने वाले पहले सोमवार को लेकर यहां नगर के विभिन्न मठ मंदिरों में साफ-सफाई और सज्जा की जा रही है। चंदकुआं स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर, गांधी नगर स्थित महाकालेश्वर मंदिर, नई बस्ती तिराहा स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों को सुघड़ता से अलंकृत किया जा रहा है। सोमवार अलस्सुबह से ही शिव मंदिरों में जलाभिषेक का सिलसिला प्रारंभ हो जाएगा।

चौकी प्रभारी पुलिस टीम ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 2 अगस्त। एक ग्राम में रास्ते को दो लोगो को अवरुद्ध करना महंगा पड़ा वही चौकी प्रभारी ने गिरफ्तार कर जुर्म धारा 170 126 135 के तहत अभियुक्त को पुलिस हिरासत में जेल भेजा।

पुलिस के मुताबिक रविवार के दिन ज्ञान भारती छौक चौकी प्रभारी विपिन यादव सिपाही रंजीत सिंह पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वही झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम मटरा निवासी ग्राण नन्हे पुत्र रामलाल महेश्वरी पुत्र भगवान दीन दोनों लोग रास्ते को अवरुद्ध कर गाली गलौज कर झगड़ा कर रहे थे तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अलग-अलग चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्तो को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री के लोकार्पण के चंद दिनों बाद ही दरकने लगा नवनिर्मित सदर तहसील का मुख्य गेट

मानक और गुणवत्ता पर उठे सवाल, 12 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से हुआ है तहसील भवन का निर्माण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय उरई में 12 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से कार्यदायी संस्था द्वारा नवनिर्मित सदर तहसील भवन का लोकार्पण बीते 25 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया था। मुख्यमंत्री के लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद तहसील परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार के पत्थर उखड़कर नीचे गिरने लगे हैं। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और इस्तेमाल की गई सामग्री के मानकों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं।

बताया जा रहा है कि नवनिर्मित तहसील भवन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करते हुए करोड़ों रुपये की लागत से तैयार कराया गया है। इसके निर्माण को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी लंबे समय से तैयारियां चल रही थीं। मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किए जाने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि करोड़ों रुपये की लागत से बना यह भवन लंबे समय तक मजबूत और सुरक्षित रहेगा, लेकिन लोकार्पण के महज कुछ दिनों बाद ही मुख्य गेट के पत्थरों के उखड़ने की तस्वीरें सामने आने से निर्माण की गुणवत्ता पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मुख्य गेट जैसे प्रमुख हिस्से में लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद पत्थर उखड़ने लगे हैं तो इससे निर्माण कार्य में बरती गई सावधानियों और गुणवत्ता की जांच पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए और यदि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही या मानकों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदार कार्यदायी संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाए। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार कराए गए इस महत्वपूर्ण सरकारी भवन के मुख्य गेट की स्थिति को लेकर अब लोगों की निगाहें प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों पर टिकी हैं। देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण की जांच कराते हैं या फिर गेट की मरम्मत कराकर मामले को दबा दिया जाता है।

47 करोड़ से अधिक की लागत वाली उरई-इटोरा सड़क बदहाल, निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप

- ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जल्द गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण कराने की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार जहां ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक विकास कार्यों को गति देने का प्रयास कर रही है, वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की कथित उदासीनता के चलते उरई-इटोरा मार्ग का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 47 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाली इस सड़क का टेंडर होने के बावजूद निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं कराया जा रहा है। करीब पांच माह पूर्व ग्राम पंचायत बमोरीकलां में कालपी एवं उरई सदर विधानसभा क्षेत्र के संबंधित विधायकों द्वारा सड़क निर्माण का भूमि पूजन भी किया गया था।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की वर्तमान स्थिति बेहद खराब है और यहां से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। आए दिन राहगीरों की मोटरसाइकिल और साइकिल फिसलने से लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों सहित सड़क से गुजरने वाले लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करमेर निवासी पुष्पेंद्र राजपूत ने बताया कि सड़क निर्माण की समस्या को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलने के साथ ही कई बार लिखित शिकायत भी की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार के कर्मचारियों से सड़क निर्माण की स्थिति और पूरा होने की समय सीमा के बारे में जानकारी मांगने पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता। सड़क की बदहाली और निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं के विरोध में पुष्पेंद्र राजपूत करमेर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मिनोरा, कालपी, अजनारा, करमेर सहित अन्य गांवों के ग्रामीणों ने जगह-जगह प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि सड़क का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, ताकि राहगीरों और स्कूली बच्चों को हो रही परेशानी से निजात मिल सके। प्रदर्शन कर ग्रामीणों ने अपनी समस्या उच्चाधिकारियों और सरकार तक पहुंचाने की भी मांग उठाई।

हजारीपुरा में धंसी सीसी सड़क बनी हादसे का सबब, एक माह बाद भी नहीं हुई मरम्मत

नगर पालिका की अनदेखी से राहगीरों में आक्रोश, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) । नगर पालिका परिषद उरई के मुहल्ला हजारीपुरा में सीसी सड़क के धंस जाने और उसमें गहरी दरारें पड़ने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क धंसने की घटना को करीब एक माह का समय बीत चुका है, लेकिन इसके बावजूद नगर पालिका परिषद की ओर से सड़क की मरम्मत कराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे स्थानीय लोगों में जिम्मेदारों के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

मुहल्ले के लोगों का कहना है कि सड़क का एक हिस्सा काफी गहराई तक धंस गया है और जगह-जगह चौड़ी दरारें पड़ गई हैं। ऐसे में पैदल राहगीरों के अलावा दोपहिया और चार पहिया वाहनों के आवागमन में भी खतरा बना हुआ है। खासकर रात के समय सड़क पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण धंसे हुए हिस्से और दरारें दिखाई नहीं देतीं, जिससे किसी भी समय वाहन चालक हादसे का शिकार हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश होने पर स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा धंसा हुआ हिस्सा और अधिक बैठने की आशंका है। लोगों ने नगर पालिका परिषद से मांग की है कि सड़क की तत्काल जांच कराकर क्षतिग्रस्त हिस्से की गुणवत्तापूर्ण तरीके से मरम्मत कराई जाए, ताकि किसी गंभीर हादसे को टाला जा सके। मुहल्लेवासियों ने इस समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष गिरजा देवी के प्रतिनिधि एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय चौधरी से भी सड़क की स्थिति से अवगत कराते हुए तत्काल निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन यदि जल्द ही इस समस्या का संज्ञान लेकर कार्रवाई करता है तो आम जनता को राहत मिल सकती है और संभावित दुर्घटना को भी रोका जा सकता है। अब देखना यह है कि नगर पालिका परिषद प्रशासन इस गंभीर समस्या को कब तक संज्ञान में लेकर सड़क की मरम्मत शुरू कराता है या फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जाता है।

करंट लगने से 38 वर्षीय युवक की मौत, घर की लाइट ठीक करते समय हुआ हादसा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के थाना गोहन की इटो चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिगटोली में शनिवार रात घर की खराब विद्युत लाइन ठीक करते समय करंट लगने से 38 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिगटोली निवासी संजीव कुमार उर्फ दद्दूआ (38 वर्ष) पुत्र रायसिंह कुशवाहा शनिवार शाम करीब 6:45 बजे अपने घर की खराब लाइट ठीक कर रहे थे। इसी दौरान बिजली की डोरी उनके सीने से छू गई, जिससे उन्हें तेज करंट लग गया और वह गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के समय घर पर मौजूद बच्चों ने शोर मचाकर पड़ोसियों और मोहल्ले के लोगों को बुलाया। परिजन एवं ग्रामीण आनन-फानन में संजीव को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि संजीव कुमार पानीपुरी का व्यवसाय करते थे और लगभग तीन-चार दिन पहले ही घर लौटे थे। उनके घर में निर्माण कार्य भी चल रहा था। वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटियों, एक पुत्र तथा वृद्ध माता-पिता को छोड़ गए हैं। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की असामयिक मृत्यु से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) । युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में जनपद में माई भारत के अंतर्गत 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का आयोजन किया गया। विकास भवन उरई स्थित लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री के संदेश को युवाओं तक पहुँचाया गया। कार्यक्रम में जनपद के नौ विकास खण्डों से आए मंगल दल, पीआरडी जवानों एवं युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रधानमंत्री के संदेश के उपरांत युवाओं को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर नशे के विरुद्ध जनजागरूकता रैली भी निकाली गई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि युवा यदि नशे से दूर रहेंगे तो स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य तेजी से साकार होगा। उन्होंने युवाओं से समाज में नशा मुक्ति का संदेश घर-घर पहुँचाने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने कहा कि स्वस्थ, जागरूक और अनुशासित युवा शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है तथा नशे से दूरी ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। जिला विकास अधिकारी निशान्त पाण्डेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी एवं जिला क्रीड़ाधिकारी शैलेन्द्र कुशवाहा ने भी युवाओं से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपयुक्त, श्रम एवं रोजगार/जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी रामेन्द्र सिंह कुशवाहा ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिनिधियों एवं युवा मंगल दल के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए युवाओं से नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेने की अपील की।

गुरु वंदन कार्यक्रम में शिक्षकों ने राष्ट्र निर्माण का लिया संकल्प

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आयोजन में नई शिक्षा नीति, गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षकों के अधिकारों पर हुई चर्चा

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एडेड संवर्ग) जालौन की ओर से रविवार को होटल संचिता पैलेस में गुरु वंदन एवं शिक्षक जागरण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षकों के अधिकारों सहित विभिन्न विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय लोकतंत्र रक्षक सेनानी समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजाराम व्यास ने की। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग संचालक झांसी विभाग ओम नारायण त्रिपाठी रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और संस्कारों का भी मार्गदर्शन करते हैं। गांधी महाविद्यालय उरई के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सक्सेना ने कहा कि भारतीय परंपरा में गुरु-शिष्य संबंध केवल ज्ञान तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्र निर्माण का आधार रहा है। वहीं प्रो. सुरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल तकनीक के दौर में भी गुरु का स्थान कोई नहीं ले सकता। कार्यक्रम में अरविंद कुमार स्वर्णकार ने शिक्षकों की सेवा शर्तों, अवकाश संबंधी विसंगतियों और शिक्षक जागरण अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। जिला अध्यक्ष उपेंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, नैतिक मूल्यों और भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा का आधार बताया। उपेंद्र प्रजापति ने शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने में शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भूपेंद्र कुमार त्रिपाठी और अरविंद कुमार स्वर्णकार ने संयुक्त रूप से किया। अंत में शिक्षकों ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने, गुरु-शिष्य परंपरा को आगे बढ़ाने तथा समाज और राष्ट्र की सेवा का संकल्प लिया ।इस कार्यक्रम में अमित बिश्नोई, संतोष विश्वकर्मा,वृंदावन त्रिपाठी,धीरेंद्र त्रिपाठी,श्रीमती सीमा सिंह,अनिल बाथम,मनोज बाथम, सविता कुशवाहा,माया देवी, प्रीति त्रिपाठी, जगदीश प्रसाद सैनी, महेश खेमरिया, उदय करण राजपूत, उदय विश्वकर्मा, नीलेश राव, रामकुमार गौतम, संदीप पांचाल, अंशु गुप्ता केशवानंद द्विवेदी, मयंक पालीवाल शिवकुमार राठौर, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक तथा बड़ी संख्या में शिक्षाविद मौजूद रहे।

तहसील गेट के सामने अतिक्रमण कारियों का कब्जा

तहसीलदार का आदेश अतिक्रमणकारियों के आगे बेअसर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आगामी 25 जुलाई को प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला मुख्यालय उरई में 12 करोड़ 11 लाख रुपए की लागत से निर्मित तहसील का लोकार्पण कर जनता को समर्पित की थी। नवनिर्मित तहसील में 01 अगस्त को पहली बार जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। उससे पहले सदर तहसीलदार ने नवनिर्मित तहसील के बाहर अवैध कब्जाधारियों को आगाह किया था कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाले तहसील दिवस के पहले अतिक्रमण को हटा लिया जाये इसके बावजूद दबंग अतिक्रमणकारी दुकानदारों ने तहसीलदार के आदेश को दरकिनार कर अपनी अपनी दुकानों को हटाने का प्रयास तक नहीं किया। सूत्रों की मानें तो इस अवैध अतिक्रमण को हटवाये जाने के सदर तहसीलदार ने नगरपालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को फोन लगाकर अतिक्रमण हटवाये जाने के लिए अनुरोध भी किया

बाइक चोरी का प्रयास विफल, ग्रामीणों ने खदेड़ कर पकड़ लिया वाहन चोर को, साथी फरार

(यंग भारत न्यूज)

उरई / कुठौंद। थाना कुठौंद क्षेत्र के एक गांव में शनिवार देर रात घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी करने का प्रयास कर रहे दो युवकों में से एक को ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक को खंभे से बांधकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सुनील पुत्र पप्पू के घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान गृहस्वामी की नजर दोनों संदिग्ध युवकों पर पड़ गई। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। खुद को घिरता देख दोनों युवक भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम अजय निवासी बेहमही बताया। वहीं फरार साथी का नाम जीत निवासी सरैनी बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोपी को रस्सी से खंभे से बांध दिया। सूचना मिलने पर थाना कुठौंद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और फरार आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि दोनों का क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं से कोई संबंध तो नहीं है। थाना पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है। तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से 8 वर्षीय बालिका हुई अचेत

(यंग भारत न्यूज)

रविवार को सुबह 8 वर्षीय उत्तम यादव पुत्र कपिल यादव निवासी बाईपास कालपी सुबह सावन के महीने की शुरुआत पर पेड़ पर लगे दरवाजे के सामने झूले में झूला रहा था उसी समय कहीं से आए जहरीले सर्प ने काट कर बेहोशी हालत में किया घटना की सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने अपने पुत्र को बेहोशी हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक चक्र ने मासूम बच्चे मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पर प्राथमिकी उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

पालिका द्वारा देर रात चलाया गया सफाई अभियान

-संचारी रोग नियंत्रण को लेकर सडको पर उतरे सफाई कर्मी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में शनिवार देर रात पालिका परिषद द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया।सफाई अभियान नगर पालिका परिसर से प्रारंभ हुआ, जो रामगंज, सराफा बाजार होते हुए घंटाघर तक चला। इस दौरान मुख्य मार्गों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों की व्यापक सफाई की गई, ताकि नगरवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।सफाई अभियान का उद्देश्य नगर में बढ़ रहे संचारी रोगों की रोकथाम के साथ-साथ सावन माह में मंदिरों और बाजारों में बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना रहा। पालिका कर्मचारियों ने सड़क किनारे जमा कूड़ा-कचरा हटाया और नालियों की भी बेहतर सफाई की।सफाई नायक सुनील एवं विक्की ने बताया कि अधिशासी अधिकारी मोनिका उमराव के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से सफाई कराई जा रही है, जिससे लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।वहीं, ईओ मोनिका उमराव ने बताया कि बरसात के मौसम में संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही सावन के पवित्र माह में मंदिरों और बाजारों में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने नगरवासियों से भी अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें और कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें।अभियान के दौरान पालिका कर्मचारी सनी, शंकर, शिवा, अभय, मीनू, जितेंद्र सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

तेज आवाज बज रहे डीजे का विरोध करना महिलाओ को पडा भारी

-लाठी डंडो से हमला कर दो महिलाओ को किया घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पड़री में शनिवार देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने का विरोध करना दो महिलाओं को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध करने पर कुछ लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया जिससे दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।पीड़िता के अनुसार शनिवार देर रात गांव में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपित भड़क गए और कथित तौर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि आरोपितों से उनकी पुरानी रंजिश चली आ रही है और उसी के चलते इस घटना को अंजाम दिया गया।मारपीट में सुशीला और शशि देवी घायल हो गईं। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली पहुंचकर आरोपितों के खिलाफ तहरीर देकर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। क्या कहा कोतवाल ने कोतवाल निर्ग्वेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कनासी में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की लाश पेड़ से लटकी मिली

-मामला नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कनासी का

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कनासी में शनिवार की शाम एक युवक का शव घर के पास बने पशुबाड़े में नीम के पेड़ से लटका मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।जानकारी के अनुसार नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कनासी निवासी दिनेश उर्फ ईलू उम्र 32 वर्ष का शव उसके घर के बगल में बने पशुबाड़े में नीम के पेड़ पर साड़ी के फंदे पर लटकता मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर नदीगांव थानाध्यक्ष राजकुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया फिल्ट यूनिट ने भी मौके से साक्ष्य एकत्रित किए। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, दिनेश अपने मित्र रमेश निवासी धनौरा के साथ दिल्ली में काम करता था। बताया जाता है कि 25 जुलाई को दिल्ली में शराब पार्टी के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद रमेश ने आत्महत्या कर ली थी। रमेश के परिजनों ने दिनेश पर आरोप लगाए थे। बताया गया कि रमेश के अंतिम संस्कार के बाद ग्राम धनौरा में पंचायत हुई, जिसमें दिनेश से चार लाख रुपये देने की बात कही गई। 1 अगस्त को दोबारा पंचायत हुई, लेकिन कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। इसी विवाद के बीच शनिवार की शाम दिनेश का शव पेड़ से लटका मिला। इधर, दिनेश के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।बताया गया मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है।थानाध्यक्ष राजकुमार का कहना है कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग लापता बच्ची को पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनो को सौपा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र से लापता हुई 9 वर्षीय मासूम बच्ची को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर रविवार को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची शुक्रवार देर शाम सिंहवाहिनी मंदिर क्षेत्र स्थित अपने घर से बिना किसी को बताए निकल गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद कोंच कोतवाली में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल बच्ची की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों, बस स्टैंड और अन्य संभावित स्थानों पर खोजबीन की। इसी दौरान एट बस स्टैंड से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया गया। पूछंताछ में बच्ची ने बताया कि एक भीख मांगने वाला बाबा उसे अपने साथ ले गया था। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची किन परिस्थितियों में उसके साथ गई थी।बच्ची के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीमों को सक्रिय किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप बच्ची को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं, बच्ची के पिता ख्यालीराम ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय रहते उनकी बेटी को सुरक्षित वापस लाकर पुलिस ने परिवार को बड़ी राहत दी है।

कोंच के गिरवर नगर में हो रहा है संगठित जुआ

-पाँच शिफ्टों में होता है हार जीत का खेल

-बड़े पैमाने पर हो रहे जुए को खामोश देख रही पुलिस आरोपो के घेरे में

(यंग भारत न्यूज)

गिरवर नगर कोच नगर के गिरवर नगर इलाके में पिछले लगभग पाँच सप्ताह से कथित रूप से प्रतिदिन पाँच शिफ्टों में लाखों रुपये का जुआ संचालित होने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से देर रात तक अलग-अलग समय पर जुए की महफिल सजती है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं और लाखों रुपये के दांव लगाए जाते हैं। क्षेत्र के लोगों का यह भी आरोप है कि इस जुए में पुरुषों के साथ कुछ महिलाएं भी शामिल होती हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जुए के कारण क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है तथा असामाजिक तत्वों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। आरोप है कि इस पूरे मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कोच कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। कि यदि समय रहते इस अवैध गतिविधि पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका दुष्प्रभाव समाज और युवाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक सहित उच्च अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर जुआ संचालकों एवं इसमें शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लोगों को उम्मीद है कि समाचार प्रकाशित होने के बाद संबंधित अधिकारी मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

इलाज के लिए पैसा मांगने पर महिला से की मारपीट, घर से निकाला

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासी रोशनी पत्नी अनिल ने अपने पति ससुर और बड़ी बहन पर मारपीट, उत्पीड़न तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव से निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी करीब आठ वर्ष पहले हिंदू रीति-रिवाज से अनिल के साथ हुई थी। विवाह के बाद कुछ समय तक परिवार में सब कुछ सामान्य रहा और उसके दो पुत्र भी हुए। लेकिन बाद में पति शराब और जुए की लत का शिकार हो गया तथा कथित तौर पर अपनी पूरी जमीन बेच दी। पीड़िता का आरोप है कि पति घर के खर्च, बच्चों की पढ़ाई और भरण-पोषण के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं देता, जिसके चलते उसे मजदूरी कर परिवार चलाना पड़ रहा है।

रोशनी का कहना है कि 30 जुलाई 2026 की सुबह तेज बुखार होने पर उसने इलाज के लिए पति से पैसे मांगे, जिस पर पति और बड़ी बहन ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। आरोप है कि इसके बाद उसे घर से निकाल दिया गया और दोबारा लौटने पर कुल्हाड़ी से काटने या पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की धमकी दी गई। पीड़िता का कहना है कि उसने 30 जुलाई को कोतवाली में शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उसने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और उसे व उसके बच्चों को सुरक्षा एवं न्याय दिलाने की मांग की है।वही एसड़ीएम ने पीड़ित महिला को उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

11 हजार वोल्ट लाइन की चपेट में आने से दो सगे भाई झुलसे, बड़ा हादसा टला

(यंग भारत न्यूज)

उरई /कुठौंद। जनपद के कुठौंद थाना क्षेत्र के हरसिंगपुर गांव में शनिवार शाम बड़ा हादसा होते-होते टल गया। खेत पर कृषि कार्य कर रहे दो सगे भाई 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों की तत्परता और समय पर उपचार मिलने से दोनों की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार, हरसिंगपुर निवासी दीपू दीक्षित एवं अंशु दीक्षित (पुत्र वीर नारायण दीक्षित) शनिवार शाम 11 गांव के मजरा माइनर के पास स्थित अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन, जो कथित रूप से काफी नीचे झूल रही थी, की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल दोनों भाइयों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण दोनों की जान बच गई। फिलहाल दोनों का उपचार चिकित्सकीय निगरानी में जारी है। घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में कई स्थानों पर हाईटेंशन लाइनें निर्धारित ऊंचाई से नीचे झूल रही हैं, जिससे आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से सभी झूलती हाईटेंशन लाइनों का तत्काल निरीक्षण कर उन्हें सुरक्षित ऊंचाई पर व्यवस्थित कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जुआ खेल रहे 10 लोगों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा

8500 रुपये नकद, ताश की गड्डी, मोमबत्ती आदि बरामद की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पमां पुल के पास जुए का फड़ सजाकर जुआ खेल रहे 10 लोगों को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 8500 रुपये नकद, ताश की गड्डी, मोमबत्ती आदि बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पमां के पास पमा पुल के नजदीक शनिवार की देर शाम कुछ जुआरी जुए का फड़ सजाए हुए थे। जहां मोमबत्ती की रोशनी में रुपये लगाकर हार जीत का खेल खेला जा रहा था। इसी जानकारी छिरिया मलकपुरा चौकी प्रभारी आलोक पाल को हुई तो वह टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने मौके से कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराजा निवासी पल्लू खान व जान मोहम्मद, लौना निवासी रामजी, रेंढ़र थाना क्षेत्र के ग्राम सुलखना निवासी ब्रजेंद्र सिंह, क्योलारी निवासी संतोष कुमार, मंगल सिंह, जयशंकर व इरफान खान, कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम तीतरा निवासी हर्ष सिंह व देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मालफंड़ पर 8280 रुपये व जामा तालाशी में 300 रुपये आरोपियों के पास से बरामद किए। इसके अलावा मौके से दो ताश की गड्डी, तीन मोमबत्ती, माचिस आदि भी बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए सभी जुआरियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जालौन में दिन दहाड़े बेख़ौफ़ बदमाशों ने महिला से लूटी सरे बाजार सोने की चैन

पुलिस की हनक पर उठ रहे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।कोतवाली रोड पर कोतवाली से करीब 100 मीटर दूर मोबाइल सुधरवाने के लिए गई महिला के गले से दिन दहाड़े दो बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन व उसमें पड़ा लॉकेट छीन लिया। सोने की चेन छीनकर दोनों बदमाश बाइक लेकर मौके से भाग निकले। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार उनकी पहचान कर रही है।

पिछले एक सप्ताह में बदमाशों ने लगातार तीसरी घटना को अंजाम दिया है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नया खंडेराव लौना रोड निवासी साधाना देवी अपने भतीजे अंकुश के साथ रविवार की दोपहर कोतवाली रोड पर कोतवाली से लगभग 100 मीटर दूर अपना मोबाइल सुधरवाने के लिए आई थी। मोबाइल दुकान पर डालकर वह भतीजे के साथ वापस घर पर जाने के लिए बाइक पर बैठ गई। इसी दौरान पीछे से बाइक लेकर दो युवक आए जिनमें बाइक चला रहा युवक हैलमेट लगाए था और पीछे बैठा युवक चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए था। चलती हुई बाइक पर उन्होंने महिला के गले से चेन व उसमें पड़ा छीन लिया और वहां से भाग निकले। महिला के गले से चेन छीने जाने के बाद भतीजे ने कुछ दूरी तक बाइक सवारों का पीछा किया लेकिन वह वहां से फरार हो गए। जिसके बाद महिला ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी मनीष तिवारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें बाइक सवार युवक महिला की चेन खींचकर भागते हुए दिख रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चेन खींचने वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान का प्रयास कर रही है। शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

बदमाश बेखौफ होकर दें रहे लूट की घटनाओ को अंजाम

5 दिन में तीन घटनाये आयी सामने

जालौन-उरई। नगर में बेखौफ बदमाश लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस के लिए चुनौती बने हुए हैं। 28 जुलाई की रात नगर के व्यापारी रमा जनरल स्टोर के संचालक दिलीप अग्रवाल रुपयों से भरा झोला लेकर घर जा रहे थे। घर के बाहर से तीन नकाबपोश बाइक सवार बदमाश स्कूटी पर रखा डेढ़ लाख रुपयों से भरा झोला लेकर वहां से फरार हो गए थे। पुलिस अभी इस मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। इसमें भी पुलिस सीसीटीवी फुटेज देख रही है और कुछ संदिग्धों से पूछतांछ कर रही है। लेकिन सफलता के नाम पर पुलिस के हाथ अभी खाली ही हैं। वहीं, दो दिन पूर्व 31 जुलाई को नगर निवासी एक युवती किसी काम के चलते तहसील रोड पर गई थी। युवती की बाइक की डिग्गी में 30000 रुपये रखे हुए थे। एक बदमाश ने युवती की स्कूटी की डिग्गी में रखे रुपये उड़ा दिए थे। अब दो अगस्त को दो बाइक सवार बदमाश दिन दहाड़े महिला के गले से सोने की चेन छीनकर भाग निकले हैं।

भाकियू की मासिक बैठक संपन्न,विभिन्न विभागो से संबंधित ज्ञापन बीडीओ को सौपा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर गांवों की मूलभूत समस्याओं पर चर्चा की और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। किसानों ने कहा कि लंबे समय से लंबित विकास कार्यों के पूरा न होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बैठक में प्रमुख रूप से मांग की गई कि मिलन केंद्र से कौशल किशोर के मकान तक खड़ंजा मार्ग का निर्माण कराया जाए। इसके अलावा क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, आत्मकेन्दरी गांव के तालाब की खुदाई कराने तथा ग्राम परैथा स्थित प्राथमिक विद्यालय की खुली नाली को ढकवाने की मांग भी उठाई गई। किसानों ने कहा कि विद्यालय के आसपास खुली नाली होने से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा बना रहता है।बैठक में ब्लॉक क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए। साथ ही गौशालाओं को सुचारु रूप से संचालित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पकड़े गए पशुओं को सुरक्षित रखा जा सके।बैठक के अंत में किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय किसान यूनियन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।बैठक में महेंद्र सिंह कुशवाह, गोविंद सिंह पटेल, ठाकुर दास, संजीव कुमार, जगदीश प्रसाद, प्रमोद कुमार, आशीष पटेल, राकेश पटेल आदि मौजूद थे।

यूपी चुनाव से पहले सपा में नई हलचल! राजभर से मिले सपा के दिग्गज नेता, आग बबूला हुए अखिलेश

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की सक्रियता और एक-दूसरे के खिलाफ जुबानी जंग काफी तेज होती जा रही है। चुनावी सरगर्मियों के बीच नेताओं की बैठकों और मुलाकातों का दौर भी रफ्तार पकड़ चुका है। इसी बीच देश की राजधानी दिल्ली से आई एक तस्वीर ने पूरे सूबे का सियासी पारा बढ़ा दिया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश सिंह के बीच दिल्ली में अचानक हुई मुलाकात ने हलचल मचा दी है। इस बैठक के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में कयासबाजियों का दौर बेहद तेज हो गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राजभर के बीच इन दिनों तलवारें खिंची हुई हैं। ऐसे माहौल में अपनी ही पार्टी के इतने बड़े विधायक को विरोधी खेमे के नेता से मिलते देखकर अखिलेश का नाराज होना स्वाभाविक माना जा रहा है। रविवार को जब लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों ने अखिलेश से इस मुलाकात के सियासी मायने पूछे, तो उन्होंने बेहद रूखे अंदाज में सवाल को टाल दिया। अखिलेश ने तल्ख तेवर दिखाते हुए बस इतना ही कहा कि 'ये वे दोनों जानें' और आगे कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया। उनके इस संक्षिप्त जवाब ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस पूरी घटना से सख्त नाखुश हैं।

उल्लेखनीय है कि ओमप्रकाश सिंह समाजवादी पार्टी के अत्यंत प्रभावशाली और पुराने नेता हैं। वे 7 बार विधायक और 1 बार संसद सदस्य के रूप में चुने जा चुके हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में वे गाजीपुर जिले की जमानिया विधानसभा सीट से जीतकर आए थे। इसके पूर्व वे 2003 से 2007 तक उत्तर प्रदेश सरकार में सिंचाई मंत्री और 2012 से 2017 तक अखिलेश मंत्रिमंडल में पर्यटन मंत्री रह चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ राजभर गाजीपुर की जहूराबाद सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक ही जिले से होने के नाते दोनों के बीच पुराना परिचय तो है, परंतु वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में इस मुलाकात ने सबको चौंका दिया है। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर लगातार सपा अध्यक्ष के खिलाफ तीखे बाण चला रहे हैं और उन पर हमला करने का कोई अवसर नहीं गंवाते। ऐसे नाजुक वक्त में सपा के इतने कद्दावर नेता का राजभर से दिल्ली में मिलना सपा के अंदरूनी हलकों में चिंता का कारण बन गया है। विधानसभा में सपा की ओर से हमेशा मुखर रहने वाले ओमप्रकाश सिंह की इस मुलाकात को लेकर विश्लेषक तरह-तरह के समीकरण बैठा रहे हैं। हालांकि दोनों ही नेताओं की ओर से इस बैठक के असल राजनीतिक मकसद और एजेंडे को लेकर अभी तक कोई भी स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। रविवार को बुलाई गई इस प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार कभी नहीं चाहती कि पीडीए वर्ग के गरीब और पिछड़े बच्चे शिक्षित बनें। आंकड़ों का हवाला देते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के भाजपा शासनकाल में प्रदेश भर के 26386 स्कूलों को ताला लगाकर बंद कर दिया गया है, जिससे गरीब बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को योजनाबद्ध तरीके से चौपट किया जा रहा है ताकि गरीब अपने अधिकारों से वंचित रहें।

पति ने पकड़ा अवैध संबंध, तो प्रेमी का ही कर दिया खेल खत्म; लाश के साथ की ऐसी बर्बरता, बदबू आने पर खुला राज़!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के रायबरेली से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां अवैध संबंधों के शक में एक 26 वर्षीय युवक की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई. हत्या के बाद कातिलों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए शव को घर के फर्श के नीचे ही दफना दिया और ऊपर से ईंटें व प्लास्टर लगाकर सबूत छिपाने की पूरी कोशिश की.

इस खौफनाक वारदात का खुलासा तब हुआ जब घर से अजीब सी बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी. आखिरकार, पुलिस ने फर्श खुदवाकर सड़ा-गला शव बरामद कर लिया है और महिला को हिरासत में लेकर मुख्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 26 वर्षीय अमित रैदास के रूप में हुई है. आरोप है कि 29 वर्षीय रीता पासवान नाम की महिला के साथ अमित के अवैध संबंध थे. रीता की शादी 2016 में मजदूर राम प्रकाश पासवान से हुई थी, लेकिन आपसी विवाद के चलते रीता साल 2020 से अपने मायके में ही रह रही थी. इसी दौरान उसका अपने पड़ोसी अमित से प्रेम प्रसंग हो गया और दोनों की एक तीन साल की बेटी भी है. अब पत्नी अपने प्रेमी के साथ मायके में लिव-इन में रह रही थी. टना 29 जुलाई की रात की है, जब राम प्रकाश अपनी पत्नी रीता के घर पहुंचा और उसने अमित को वहां देख लिया. दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद राम प्रकाश ने कथित तौर पर अमित की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया. हत्या के बाद आरोपी ने शव को कमरे की कच्ची मिट्टी के फर्श के नीचे दफना दिया, ऊपर से ईंटें लगाईं और सबूत छिपाने के लिए उस पर प्लास्टर कर दिया. वारदात के बाद रीता ने डर के मारे पुलिस को सूचना नहीं दी. यह खौफनाक राज दो दिनों तक दबा रहा और रीता उसी के ऊपर चारपाई बिछाकर सोती रही. लेकिन जब घर से तेज दुर्गंध आने लगी तो आसपास के लोगों ने ग्राम प्रधान को इसकी जानकारी दी और फिर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने पूछताछ के आधार पर शुक्रवार देर रात कमरे के फर्श की खुदाई की, जहां से अमित का सड़-गला शव बरामद हुआ.

'बीवी को 4 घंटे मेरे साथ छोड़ दो.' हलाला के नाम पर मौलाना का घिनौना खेल स्टिंग में बेनकाब!

(यंग भारत न्यूज)

तीन तलाक को कानूनन अपराध घोषित किए कई साल बीत चुके हैं, लेकिन ज़मीन पर इसकी आड़ में खेला जा रहा हलाला का घिनौना खेल अब भी थमने का नाम नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में मजहब और शरिया के कायदों का खौफ दिखाकर कुछ धर्मगुरु और मौलाना असहाय महिलाओं के शारीरिक और आर्थिक शोषण का अड्डा चला रहे हैं। एक स्टिंग ऑपरेशन के दौरान सामने आए चौंकाने वाले खुलासे बताते हैं कि किस तरह मजहब की आड़ लेकर तलाकशुदा औरतों की मजबूरी का सौदा किया जा रहा है।

दरअसल, मामला तब सामने आया जब एक मीडिया संस्थान की जांच टीम ने गुप्त रूप से दो स्थानीय धर्मगुरुओं से संपर्क साधा। खुद को तीन तलाक से पीड़ित पति-पत्नी का प्रतिनिधि बताकर जब संवाददाताओं ने इनसे रास्ता पूछा, तो मजहबी कायदों का पाठ पढ़ाने वाले ये मौलाना खुद ही हलाला के नाम पर निकाह करने, होटल के कमरों में रातें बिताने और हजारों रुपये वसूलने के सौदे पर उतर आए। गोरखपुर में टेलर का काम करने वाले मौलाना रहमतुल्लाह से जब इस सिलसिले में बात की गई, तो उसने बेझिझक शरिया के उसूलों की अपनी मनमाफिक व्याख्या पेश कर दी। मौलाना का साफ कहना था कि अगर कोई पति-पत्नी तलाक के बाद दोबारा साथ रहना चाहते हैं, तो औरत को पहले किसी दूसरे मर्द से निकाह करना ही होगा और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे। हद तो तब हो गई जब मौलाना रहमतुल्लाह ने खुद ही हलाला करने की पेशकश कर डाली। उसने बातचीत के दौरान कहा कि महिला को उसके साथ होटल के कमरे में 4-5 घंटे गुजारने होंगे और 'मियां-बीवी का रिश्ता' निभाना पड़ेगा। इस पूरे काम के एवज में मौलाना ने 20 से 25 हजार रुपये के खर्च की मांग भी रख दी। जब उससे पूछा गया कि क्या शारीरिक संबंध बनाना अनिवार्य है, तो उसने इसे 'अल्लाह का उसूल' बताते हुए कहा कि रिश्ते की शुरुआत के लिए यह प्रक्रिया बेहद जरूरी है। मामला सिर्फ एक आम मौलाना तक ही सीमित नहीं रहा। जब टीम ने गोरखपुर की मशहूर मदीना मस्जिद के मुफ्ती मेराज अहमद कादरी से संपर्क किया-जिनके पीछे रोजाना सैकड़ों लोग नमाज अदा करते हैं-तो उनका रवैया भी अलग नहीं था। मुफ्ती ने साफ शब्दों में कहा कि तीन तलाक के बाद हलाला के अलावा कोई दूसरा जायज रास्ता नहीं है और हदीस का हवाला देते हुए कम से कम एक बार शारीरिक संबंध बनाने को अनिवार्य बताया। मुफ्ती मेराज अहमद ने भरोसा दिलाया कि अगर कोई भरोसेमंद शख्स न मिले, तो वह खुद किसी 'जिम्मेदार इंसान' का बंदोबस्त कर देंगे। इसके लिए उन्होंने होटल बुक करने, 11 से 15 हजार रुपये मेहर देने और 10-15 हजार रुपये का 'नजराना' देने की शर्त रखी। कुल मिलाकर इस पूरे खेल का बजट 50 से 60 हजार रुपये बताया गया। साल 2019 में केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत एक बार में तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) को गैर-कानूनी और दंडनीय अपराध घोषित कर दिया था।

कानून के मुताबिक हलाला की प्रथा को भी अवैध माना जाता है। इसके बावजूद, ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में जागरूकता की कमी और सामाजिक लोक-लाज के डर के कारण महिलाएं ऐसे मौलानाओं के चंगुल में फंसने को मजबूर हो जाती हैं। स्थानीय जानकार बताते हैं कि ऐसे गिरोह पूरी तरह संगठित होकर काम करते हैं। वे न सिर्फ महिलाओं का शारीरिक शोषण करते हैं बल्कि बेबस परिवारों से मोटी रकम भी ऐंठते हैं। गोरखपुर में सामने आया यह मामला इस बात की ओर इशारा करता है कि सख्त कानून बनने के बाद भी धरातल पर मजहबी आड़ में महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

बेटे के लिए 50 हजार में खरीदी दुल्हन, सुहागरात पर दूल्हे को पता चला ऐसा सच, अब हो रही पूरे परिवार की बदनामी

(यंग भारत न्यूज)

हर कोई शुरू से ही एक लाइफ पार्टनर की तलाश करता है: अपने सपनों का राजकुमार या राजकुमारी। लेकिन क्या हो अगर शादी के बाद उन्हें पता चले कि जिससे उन्होंने शादी की है, वह असल में ट्रांसजेंडर है ?

यह वाकई चौंकाने वाला है। लेकिन, मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक दूल्हे के साथ ऐसा ही हुआ। उसने बड़े अरमानों के साथ अपनी दुल्हन से शादी की, उसे खरीद भी लिया। लेकिन जब दुल्हन की सच्चाई सामने आई, तो दूल्हे और उसके पूरे परिवार के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। शुकरू अहिरवार अपने परिवार के साथ छतरपुर (हरियाणा) के एक गाँव में रहते हैं। उनके बेटे की शादी ठीक नहीं चल रही थी। कई कोशिशों के बाद, एक रिश्तेदार ने उन्हें बताया कि वह छत्तीसगढ़ से उनके लिए दुल्हन ढूंढ सकते हैं, लेकिन उन्हें 50,000 रुपये देने होंगे, यानी उन्हें दुल्हन खरीदनी होगी। शुकरू अहिरवार की फाइनेंशियल हालत ठीक नहीं है, लेकिन उन्हें अभी भी अपने बेटे की शादी करनी है। इसलिए उन्होंने 50,000 रुपये जुटाने के लिए अपनी तीन एकड़ ज़मीन गिरवी रख दी। उन्होंने शादी पर 80,000 रुपये और खर्च किए। लेकिन शादी की रात से पहले ही दुल्हन दूल्हे से बचने लगी। जब दूल्हे को पता चला कि दुल्हन ट्रांसजेंडर है, तो वह चौंक गया। लेकिन घरवाले चुप रहे। अगले दिन दुल्हन घर लौटने की ज़िद करने लगी। एक दिन तो वह बिना किसी को बताए ही चली गई। वह पूरी रात गांव में एक पहाड़ी के पीछे छिपी रही। बाद में वह मिल गई। गांववालों का कहना है कि शुरू में घरवालों ने बदनामी के डर से किसी को यह बात बताने से परहेज़ किया। लेकिन, गांववालों को शक हुआ और वे उसे तुरंत हॉस्पिटल ले गए। वहां पता चला कि दुल्हन एक ट्रांसजेंडर महिला है और नाबालिग है। सब चौंक गए। तुरंत पुलिस को बुलाया गया। पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है, लेकिन यह शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। दूल्हे के पिता ने बताया, 'हमारे बड़े बेटे की शादी हो चुकी है, लेकिन वह हमसे अलग रहता है। हमने अपने छोटे बेटे की शादी के लिए पैसे का इंतज़ाम करने के लिए अपनी ज़मीन गिरवी रखी थी। लेकिन दुल्हन एक ट्रांसजेंडर महिला निकली। अब हमें अपने पूरे समुदाय और गाँव में बेइज्जती का सामना करना पड़ रहा है।

हम साथ जिए नहीं तो साथ मरेंगे. शादी करने मंदिर पहुंचे प्रेमी-प्रेमिका ने उठाया ऐसा कदम, जानकर रह जाएंगे हैरान

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बांदा जिले से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां प्रेम प्रसंग में एक युवक और युवती शादी करने के इरादे से मंदिर पहुंचे थे, लेकिन कुछ ही देर बाद दोनों ने ऐसा कदम उठा लिया जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

जानकारी के अनुसार, कमासिन थाना क्षेत्र के सिंहवाहनी मंदिर के पास शनिवार रात करीब 10 बजे युवक और युवती ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने दोनों को तड़पता देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने इलाज के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद दोनों परिवारों में मातम छा गया।मृतकों की पहचान कमासिन थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव निवासी 20 वर्षीय शत्रुघ्न और चित्रकूट जिले के पहाड़ी थाना क्षेत्र के पहाड़ी गांव निवासी 20 वर्षीय राजमणि के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। पुलिस के मुताबिक, दोनों शादी करने के उद्देश्य से सिंहवाहनी मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ऐसा कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। कमासिन थाना प्रभारी संतोष कुमार ओझा ने बताया कि दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस परिजनों से भी पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे की पूरी वजह सामने आ सके।

आगरा: पत्नी छूने नहीं देती थी मोबाइल, निकाह के तीन महीने बाद पति ने काट दिया गला

(यंग भारत न्यूज)

आगरा। ताजगंज के नगला पैमा में निकाह के तीन महीने बाद पत्नी उज्जमा की हत्या करके फरार पति फरहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। झांसी के थाना कोतवाली स्थित भैरो खिड़की मोहल्ला निवासी उज्जमा का निकाह इसी वर्ष 20 अप्रैल को ताजगंज निवासी फरहान के साथ हुआ था।

विगत मंगलवार की सुबह उज्जमा का शव बंद मकान में मिला था। पति पिछले रविवार से मकान पर ताला लगाकर फरार था। पूछताछ में पति ने बताया कि उसने गुस्से में पत्नी का गला काट दिया था। मकान पर ताला लगाकर वह कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचा। सामने जो भी ट्रेन दिखाई दी, उसमें बैठ गया था। आरोपित की निशानदेही पर पुलिस ने उज्जमा की स्कूटी बरामद कर लिया है, जिससे वह हत्या के बाद भागा था। पति ने बताया कि निकाह के दौरान दोनों के बीच एक दूसरे के बच्चों की जिम्मेदारी उठाने की बात हुई थी। पत्नी उज्जमा इससे मुकर गई थी। वह अपने बच्चों को मायके छोड़ आई थी वह अपने बच्चों को घर लेकर आया तो उनके लिए समय खाना नहीं बनाती थी। एक और बात पर आए दिन झगड़ा होता था कि पत्नी उसे अपना मोबाइल कभी हाथ नहीं लगाने देती थी। उसने कई बार पत्नी का मोबाइल चेक करके का प्रयास किया तो पत्नी झगड़ा करने पर आमादा हो जाती थी। घटना वाले दिन पत्नी ने खाना नहीं बनाया था और बच्चे परेशान थे। वह बच्चों को घर छोड़ आया। गुस्से में घर से निकल रहा था। पत्नी ने उसे खींच लिया, वह सीढ़ी से गिर गया। गुस्से में पत्नी का सिर पत्थर से कुचल दिया। गले को लेड से काट दिया था।

यूरोप के इस देश में किराए पर मिलते हैं 'पति', महिलाएं घंटों के हिसाब से करती हैं पेमेंट, जानिए वजह

(यंग भारत न्यूज)

देश में शादी के बाद लड़का पति बनता है और उसके बाद भी घर के लगभग सभी कामों की जिम्मेदारी औरतों पर रहती है। आज हम आपको ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां किराए पर पति मिल जाते हैं और यहां की औरतें इस सुविधा का पूरा फायदा उठाती हैं।

यहां पर महिलाएं घंटे के हिसाब से पति को रेंट पर लेती हैं और काम पूरा होने के बाद पेमेंट कर देती हैं। रेंट पर हस्बैंड लेने पर ना ही कोई कमिटमेंट होता है और ना ही कोई रिश्ता। किराए पर पति मिलने की बात थोड़ी अजीब जरूर लग रही है लेकिन यूरोप के इस देश में यही ट्रेंड है। यहां पर आदमियों का इतना अकाल है कि महिलाएं इस सर्विस को अपनाती हैं। चलिए आपको इस बारे में पूरी जानकारी देते हैं। उत्तरी यूरोप के बाल्टिक क्षेत्र में स्थित देश लातविया में एक घंटे के हिसाब से पति किराए पर मिलते हैं। यह सर्विस पूरी तरह से पेड होती हैं और इसमें कोई प्यार, शादी, रिश्ता या फिर कमिटमेंट जैसी चीजें नहीं होती हैं। इस सर्विस में कुछ ही घंटों के लिए पति को हायर किया जा सकता है। हस्बैंड फॉर एन ऑवर पूरी तरह से प्रोफेशनल सर्विस है, जिसमें सभी आदमियों को घर के काम करने की ट्रेनिंग दी जाती है। लातविया में ज्यादातर महिलाएं अकेले रहती हैं और ऐसे में उन्हें घर के बेसिक कामों जैसे नल ठीक करना, पानी भरना, पाइप सही करना, पर्दे टांगना, मरम्मत का काम करने के लिए मर्दों की जरूरत पड़ती है। इन कामों के लिए महिलाएं 1 या 2 घंटे के लिए किसी भी आदमी को हायर कर सकती हैं। काम पूरा हो जाने के बाद पैसे दिए जाते हैं और फिर सर्विस खत्म। ऐसे समझ लीजिए कि ऐप के जरिए किसी आदमी को घर के कामों के लिए बुक किया, वह आया उसने काम पूरा किया और आपने पेमेंट कर दी। लातविया में जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इस तरह की सुविधा को उपलब्ध कराते हैं और इनके जरिए ही बुकिंग हो सकती है। महिलाओं के बीच ये ट्रेंड काफी पॉपुलर

हो चुका है और औरतों को ये पसंद भी आ रहा है। खासतौर पर सिंगल मदर, वर्किंग या फिर बूढ़ी औरतों के लिए ये सर्विस काफी मददगार साबित हो रही है। बता दें यूरोप के लातविया देश में औरतों की अपेक्षा पुरुषों की जनसंख्या काफी कम है। यहां पर महिलाओं की तुलना में पुरुष लगभग 15.5% तक कम है और यही कारण है कि घर के भारी-भरकम काम के लिए यह देश जैसी सर्विस दे रहा है। साल 2022 में लौरा यंग नाम की महिला ने अपने पति को दूसरों के घर के छोटे-मोटे कामों के लिए किराए पर भेजना शुरू किया, जिससे घर में कुछ पैसे आ सके। तभी से ये कॉन्सेप्ट काफी वायरल हुआ और कई महिलाओं ने इसे पसंद भी किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लौरा के पति जेम्स आधे दिन के 44 डॉलर यानी 4 हजार रुपये की कमाई करते थे और पूरे दिन के 280 डॉलर यानी 27 हजार रुपये कमा लेते थे। ऐसे आदमियों के लिए ये सर्विस कमाई का जरिया बन गई और औरतों के लिए सुविधा। अब लातविया में ये सर्विस हर कोई अपना रहा है और कई पुरुष काम की तलाश में भी इस देश में आकर बसने लगे हैं।

पैरा स्पोर्ट्स: भारत का शानदार प्रदर्शन 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल

ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत का 'पैरा इवेंट्स' में अभियान समाप्त हुआ, जिसमें देश ने कुल 7 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। इंदु कुमार देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल का खाता खोलने वाले भारतीय रहे। दो ग्रुप वाले मुकाबले में इंदु ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ 'ग्रुप-बी' में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्वाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई।

तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय की मौजूदगी

इसके अलावा, तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इसमें महिलाओं का शॉट पुट एफ57, पुरुषों का शॉट पुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर एफ47 रेस शामिल रही। 'विमेंस शॉट पुट एफ57' प्रतियोगिता में देश को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा। पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज जीता।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में भारत को गोल्ड के साथ सिल्वर

इसके बाद पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में भारत ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद वासिल वेलिक्कलकत्त ने 10.83 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया। इस स्पर्धा का ब्रॉन्ज इंग्लैंड के टेबिल सैटो (10.85 सेकंड) ने हासिल किया।

सिर्फ 30 मिनट में 2 गोल्ड रिंग में प्रीति के बाद जैस्मिन ने दिखाया दम

भारतीय मुक्केबाज जैस्मीन लंबोरिया और प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के क्रमशः 57 किग्रा और 54 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए, लेकिन पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जादूमणि सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन ने भी उत्तरी आयरलैंड की तत्कालीन चैंपियन माइकेला वॉल्श को 5-0 के समान अंतर से मात देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। प्रीति के बाद जैस्मीन ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, दोनों मुकाबले में 30 मिनट का अंतर रहा।

कड़े संघर्ष के बाद हारे जादूमणि

दिन के तीसरे भारतीय मुक्केबाजी मुकाबले में जादूमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिकसन के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 0-5 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक मिला। लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरुआत में संघर्ष करने के बाद जादूमणि ने शानदार वापसी करते हुए पहला राउंड 3-2 से अपने नाम किया। डिकसन ने हालांकि दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की और सभी जज के सर्वसम्मत फैसले से 5-0 से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज ने इस बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया और भारत को स्वर्णिम लय को रोक दिया।

शॉट पुट एफ57: भारत ने गोल्ड के साथ जीता सिल्वर

कॉमनवेल्थ गेम्स में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जूयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

त्रिकूद : चित्रावेल ने रजत और प्रभु ने जीता कांस्य

भारत के त्रिकूद खिलाड़ियों प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमारन ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल ने इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। उनके हमवतन सेल्वा प्रभु तिरुमारन ने 16.52 मीटर की छलांग से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने 16.72 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले पैरा एथलेटिक्स के पुरुषों की टी54 1500 मीटर फाइनल स्पर्धा में भारत के रमेश शनमुगम तीन मिनट 23.59 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे।

पाक का खुला खाता, मुक्केबाजी में फातिमा ने जीता कांस्य पदक

भारत की दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम की प्रेरणा अब सरहदों के पार भी पहुंच चुकी है क्योंकि पाकिस्तान की पहली महिला राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता मुक्केबाज फातिमा जहरा ने अपनी सफलता का श्रेय छह बार की इस विश्व चैंपियन से मिली प्रेरणा को दिया है। बाइस वर्षीय फातिमा ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में पदक जीतने वाली पाकिस्तान की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा शहर में पली-बढ़ी फातिमा के पास अपने देश में महिला मुक्केबाजी का कोई बड़ा आदर्श नहीं था। ऐसे में उन्होंने भारत की महान मुक्केबाज मैरी कॉम को अपना प्रेरणास्रोत बनाया। फातिमा ने कहा, "मैं भारत की मैरी कॉम से प्रेरित हूं।"

खबर संक्षेप

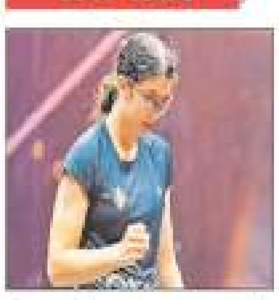

विश्व जूनियर स्क्वाश : पांचवें नंबर पर रही महिला टीम

ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सान्वी कलांकी ने ईव पर्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में सान्वी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्वनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

विरोध के बाद इन्फेंटिनो ने रद्द की योजना

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया के हर कोने से भारी विरोध के बाद विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों को बेचने की अपनी विवादास्पद योजना को रद्द कर दिया है। इन्फेंटिनो ने यह फैसला तब किया जब एशिया की फुटबॉल संस्था ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ मिलकर इसका विरोध किया तथा व्हाइट हाउस की एक समिति में शामिल रहे उनके वरिष्ठ सलाहकार ने खुलकर इसका विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था।

श्रीलंका दौरा : वॉर्मअप मैच का शेड्यूल बदला, अब 3 दिन का होगा मुकाबला

कोलंबो में अभ्यास मैच 7 से 9 अगस्त तक चलेगा

नई दिल्ली

टीम इंडिया अगस्त में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमों के बीच एक वॉर्मअप मैच खेला जाएगा। इस इकलौते वार्म-अप मैच के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है।

पहले यह मुकाबला 4 दिन का तय हुआ था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 दिन का कर दिया गया है। यह अभ्यास मैच कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में 7 अगस्त से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

4 को कोलंबो के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम मैनेजमेंट को इस बदलाव की जानकारी दे दी गई है। हालांकि, मैच का समय कम करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो के लिए रवाना होगी। 3 दिन का यह अभ्यास मैच खत्म होने के बाद टीम गॉल के लिए रवाना होगी, जहां 15 अगस्त से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में होगा। फैंस के लिए अच्छी बात यह है कि इस वॉर्म-अप मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

साई सुदर्शन हो रहे तेजी से रिकवर

टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कुछ अच्छी खबर आई है। चोट की समस्या से जूझ रहे साई सुदर्शन तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण सुदर्शन का टीम में चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर था, लेकिन अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना रीहैब पूरा कर लिया है और दोबारा बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। वहीं जसप्रीत बुमराह अब घुटने की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

दलीप ट्रॉफी : सेंट्रल जोन के कप्तान बने पाटीदार, रिंकू सिंह संभालेंगे उपकप्तानी

नई दिल्ली

अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार 2 बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले रजत पाटीदार को दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन का कप्तान बनाया गया है।

वहीं, बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 23 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी।

स्टैंड-बाय में छह खिलाड़ी

सेंट्रल जोन चयन समिति ने टूर्नामेंट के दौरान किसी भी तरह अप्रत्याशित स्थिति और किसी भी संभावित चोट को कवर करने के लिए अक्षदीप नाथ, शिवम चौधरी, कार्तिक शर्मा, अंकित सिंह, गौरव राघव, आशीष मेवाड़ा, कुणाल यादव और कुमार कार्तिकेय को छह खिलाड़ियों को स्टैंड-बाय सूची में रखा है।

गत चैंपियन हैं सेंट्रल जोन

सेंट्रल जोन गत चैंपियन है। टीम ने पिछला संस्करण फाइनल में साउथ जोन को हराकर जीता था। यह टीम का सातवां खिताब है। दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन की 15 सदस्यीय मजबूत टीम का ऐलान किया गया है। बल्लेबाजी में पाटीदार, रिंकू सिंह, आर्यन जुयाल, कुणाल चंदेला, आयुष पांडे, अरमान जाफर और यश राठौड़ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं, गेंदबाजी में तेज और स्पिन गेंदबाजों का बेहतरीन मिश्रण है। तेज गेंदबाजी में यश ठाकुर, अरशद खान, अर्जुन पांडे और कुलदीप सेन को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी सारांश जैन, हर्ष दुबे और जीशान अंसारी को सौंपी गई है।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

नई दिल्ली

स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

डुंडी में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। एडवर्ड्स ने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों।

आशुतोष ने खोला पंजा

लंदन में चला कुलदीप का जादू स्टोक्स को भेजा पवेलियन

लंदन

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

- कुलदीप ने यॉर्कशर की वनडे कप में जीत में निभाई अहम भूमिका

कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स वार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

आशुतोष ने 51 रन देकर चटकाए 5 विकेट

वहां अन्य मैच में भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा (51 रन देकर 5 विकेट) ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे हैम्पशर ने एसेक्स को तीन विकेट से हरा दिया। आशुतोष की शानदार गेंदबाजी से हैम्पशर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रही एसेक्स को 49 ओवर में 317 रन पर रोक दिया। इसके जवाब में जोश फुलर (नाबाद 38), कप्तान निक गुब्बिन्स (53) और टॉम प्रेस्ट (52) के अर्धशतकों की बदौलत हैम्पशर ने 47.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

ताइपे ओपन: हुआंग यु सुन को सीधे गेम में हराकर फाइनल में तन्वी

17 साल की तन्वी ने सिर्फ 33 मिनट में जीता मुकाबला

ताइपे सिटी

भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

17 वर्षीय खिलाड़ी तन्वी ने सेमीफाइनल में यु सुन को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से पराजित किया। यहां फाइनल मुकाबला दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच होने की संभावना थी लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुड्डा को वियतनाम की विश्व में नंबर 21 थुई लिन्ह गुयेन से 15-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी रविवार को होने वाले फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से भिड़ेंगी।

तन्वी ने की दो वर्षों में काफी प्रगति

तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में काफी प्रगति की है। तन्वी ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहने के अलावा 2024 में थॉमस इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज जीता था।

पुश शॉट्स से हुआंग को किया परेशान

तन्वी ने शुरू से आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया तथा अपने तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश और पुश शॉट्स से हुआंग को बार-बार परेशान किया। पहले गेम में स्कोर 3-3 से बढ़कर 7-6 हो गया। तन्वी ने इसके बाद पूरे गेम में मामूली बढ़त बनाए रखी और 14-10 से 17-11 तक पहुंच गई। स्थानीय खिलाड़ी ने स्कोर को 15-17 तक कम कर दिया, जिसके बाद तन्वी ने आक्रामक खेल दिखाया और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में हावी रही तन्वी

दूसरे गेम में हुआंग ने स्कोर 9-9 से बराबर कर दिया, लेकिन तन्वी इसके बाद हावी हो गई। उन्होंने बैक कोर्ट से सटीक शॉट लगाते हुए नेट पर चतुराई से ड्रॉप शॉट भी मारे। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी 14 में से 12 अंक अपने नाम किए और लगातार गेम में जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश किया।

मित्रता दिवस विशेष

दुनिया भर के वैज्ञानिक शोधों और व्यावहारिक अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि दोस्ती केवल मौज-मस्ती करने के लिए नहीं या केवल समय बिताने का माध्यम नहीं है। यह इंसानी जीवन की एक बुनियादी जैविक के साथ ही मनोवैज्ञानिक आवश्यकता भी है। यह हमें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, मानसिक सुकून प्रदान करती है। यही नहीं खुशहाल जीवन का आधार भी होती है दोस्ती। तो आइए, आज मित्रता दिवस पर हम खुद से वादा करें कि अपने दोस्तों का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्ती के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गूगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विज़ुअलाइज़ेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉग्निटिव एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बड़े निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए अविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार है। ❋

वृद्धावस्था में संज्ञानात्मक स्वास्थ्य की रक्षा

ओल्ड एज में होने वाली डिमेंशिया की समस्या पर द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उम्र में मानसिक सक्रियता और याददाश्त बनाए रखने के लिए दोस्तों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। जो बुजुर्ग नियमित रूप से अपने दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनमें अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा भी 60 प्रतिशत तक कम पाया गया है।

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इंसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

{ न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह }

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अमूमन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस आभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रुचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इंसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। ❋

{ गजल
ओम निश्चल }

दोस्त के हंसते ही...

मुस्कराने से अमलतास भी खिल उठता था
दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था
उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक
उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था
ऐसे मिलता था वो जन्मों से हो रिश्ता जैसे
पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था
उसकी यादों में मुकम्मल-सा जहां है अपना
उसके होने का अहसास भी खिल उठता था
छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूरत
उसकी जुंबिश से नक्काश भी खिल उठता था
हाथ रखता था वो यूं कांधे पे करीने से
उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

{ लघुकथाएं }

पुरानी बेंच

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपास) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठा करते थे। अंगूठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भर्राए स्वर में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' ❋

– डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अल्हड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दाखिल हुई, जैसे कॉलेज कैंपस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें। न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाव। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहेली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सधापन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन की कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। ❋

– डॉ. मोनिका शर्मा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

संगीत के अनछुए सुर

पत्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर बेचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गूंजती घंटियों के बीच बिस्मिल्लाह खां की शहनाई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अग्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। ❋

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, **लेखक:** देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

संस्कार भारती ने किया नटराज पूजन और कला गुरुओं का सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। संस्कार भारती झाँसी कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था द्वारा कीर्तिशेष इंजीनियर एम एन गुप्ता जी की पुण्यस्मृति में समर्पित नटराज पूजन कलागुरु सम्मान एवं संगीत समारोह का भव्य आयोजन परम पूज्य गुरुदेव श्री 1008 महंत वैदेही बल्लभ शरण जी महाराज (बल्लभ कुंज बामन जी का मंदिर अयोध्या) के मार्गदर्शन सानिध्य एवं जिला पंचायत प्रशासक पवन कुमार गौतम के मुख्य आतिथ्य एवं जिला अध्यक्ष भाजपा सुधीर सिंह, प्रो. रचना विमल दिल्ली विश्वविद्यालय, विनय गुप्ता प्रबंध निदेशक होटल शीला श्री प्लाजा, नरेश चंद्र अग्रवाल प्रदेश महामंत्री संस्कार भारती, डॉ प्रमोद गुप्ता निर्देशक वात्सल्य हॉस्पिटल के विशिष्ट आतिथ्य में किशन सोनी अध्यक्ष की अध्यक्षता में भगवान नटराज एवं मां सरस्वती के समक्ष दीपांजलि एवं पुष्पांजलि कर प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में डॉ शील कुमार कोपरा प्रान्तीय मन्त्री, संजय राष्ट्रवादी प्रान्तीय मंचीय कला सहसंयोजक, श्रीमती कामिनी बघेल दृश्यकला सहसंयोजक, श्री अमर सोनी प्राचीन कला सह संयोजक, डॉ नीति शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम मैं सुर्यांशी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फाइन आर्ट द्वारा पुर्व अध्यक्ष कीर्तिशेष इंजीनियर एम एन गुप्ता का सजीव चित्रण किया गया। कार्यक्रम में संगीत के अंतरराष्ट्रीय कलाकार श्रीमती अंशुल सक्सेना द्वारा कजरी एवं ठुमरी गायन, कुमारी दीप्ति श्रीवास्तव द्वारा कथक नृत्य, अंकुर चतुर्वेदी द्वारा शास्त्री गायन एवं भजन, पूजा तिवारी द्वारा कथक में तांडव नृत्य, कृतिका वर्मा द्वारा बुंदेली लोक भजन, अमर लखेरा द्वारा एक ताल में कथक की शानदार प्रस्तुति, डॉ अशोक गोस्वामी द्वारा राग मल्हार एवं कार्यक्रम के अंत में सीताराम कुशवाहा महामंत्री संस्कार भारती द्वारा बुंदेली विदाई गीत हमारी राम राम ले जइयो की शानदार प्रस्तुति की गई। कलागुरु सम्मान में साहित्य की जानी-मानी हस्ती डॉ बृजलता मिश्रा, श्री प्रेम कुमार रैकवार मूर्तिकार, श्री विवेक गुप्ता लोक संगीत, श्री प्रमोद दीक्षित को संगीत में कला गुरु सम्मान से शॉल माला श्रीफल और सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। संस्कार भारती द्वारा सभी अतिथियों का शॉल माला एवं स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय राष्ट्रवादी, अमर सोनी, अंशुल सक्सेना ने संयुक्त रुप से किया। कार्यक्रम के अंत में उपाध्यक्ष महेंद्र वर्मा एवं दिलीप अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से हर नारायण सविता किरण गुप्ता मोहनलाल सिन्गरिया दिनेश श्रीवास्तव मनमोहन मनु सुदर्शन शिवहरे कमलकांत गुप्ता सौरभ सेठ प्रवीण सिंह राजा शीतल प्रसाद श्रीवास्तव राजेंद्र सिंह यादव, राकेश यादव वन्दना अग्रवाल माता प्रसाद शाक्य सन्तोष कुमार अग्रवाल मीरा अग्रवाल उमा पाराशर पवन कुमार झारखरिया रमेश दुबे शैलेंद्र दुबे संध्या श्रीवास्तव जितेन्द्र गुप्ता सुधा सक्सेना ऋषि कुशवाहा अतर सिंह वीरेंद्र कुशवाहा गोकुल कुशवाहा रंजना कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

पाप छिपाये न छिपे जैसे रुई लपेटी आगः विशाश्री माताजी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। दिगम्बर जैन पंचायत समिति, चातुर्मास समिति एवं सकल जैन समाज झांसी के तत्वावधान में आयोजित पावन वर्षायोग में लीन ससंघ (15 पिच्छी) परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105? विशाश्री माताजी ने रविवार वार को धर्म संदेशना देते हुए कहा कि जीव को पुण्य करके ही सुख मिलता है और पाप करने पर उसका दण्ड कभी न कभी भोगना ही पड़ता है। भले ही हम अकेले में ही कोई पाप करें और यह सोचकर छिपा लें कि मेरे पाप को तो किसी ने देखा ही नहीं तो यह हमारी भूल है। हमें कोई देखे न देखे किंतु उसे ऊपर बैठा भगवान देख रहा है और उसी अनुसार हमारे कर्मफल का निर्धारण हो रहा है। वे कहती हैं कि पाप तो रुई में लगी आग की तरह है भले ही उसे हम छिपा लें पर रुई में लगी आग तो थोड़े समय में स्वत: ही प्रकट हो जायेगी और फिर आस पास रखें सभी सामान को खाक कर देगी। इसलिए पाप से दूरी बनाओ कोशिश करो कि पाप कभी हो ही न।?? उन्होंने कहा कि जीवन में नियम का बहुत महत्व है इसलिए हिंसा न हो महीने में दो बार अष्टमी और दो बार चतुर्दशी आती है हम इन चार दिनों में हमारे द्वारा जीव हिंसा न हो, ऐसा व्रत तो ले ही सकते हैं। प्रात: कालीन वेला में पूज्य माताजी के पावन सानिध्य एवं पं विनोद जैन बबीना के मार्गदर्शन में रविवार को शांति धारा करने का सौभाग्य डा.जिनेंद्र कुमार जैन, प्रदीप जैन, आलोक जैन विश्व परिवार झांसी, संतोष कुमार,प्रभात कुमार जैन भामाशाह परिवार, एवं मनीष कुमार जैन चंदेरी परिवार, अनुराग जैन करगुवांजी को प्राप्त हुआ। संचालन दिगम्बर जैन पंचायत समिति के महामंत्री कमल जैन एवं कारगुवा जी मंत्री एड. शिरोमणि जैन ने संयुक्त रुप से किया। अंत में एवं चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक विनोद जैन ठेकेदार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, सुभाष जैन बिजली, राजकुमार जैन बाबा, बाहुबलि जैन, निर्माण मंत्री भागचंद जैन, एडवोकेट अनूप जैन,देवव्रत जैन, राजीव जैन, रानू मुकेश वीडियो, जितेंद्र जैन, अभिनंदन मोदी,सुनील जैन करगुवांजी जी, अशोक जैनिथ कमल जैन नई बस्ती, डा.राखी जैन,श्वेता जैन,कल्पना जैन, रजनी जैन, प्रीति जैन, मनोरमा जैन आदि मौजूद रहे।

नशामुक्त भारत के निर्माण का लिया संकल्प, लक्ष्य लाइब्रेरी में संगोष्ठी आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी संकल्प 'नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत रविवार को लक्ष्य लाइब्रेरी, हंसारी शाखा में एक प्रेरक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाज एवं राष्ट्र को नशे जैसी बुराइयों से मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सुधीर सिंह (जिला अध्यक्ष भाजपा) जी ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति ही विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता श्री हर्ष जैन जी ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने युवाओं को जागरूक होकर दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। मंच पर अतिथि के रूप में श्री महेंद्र ग्वाला (पार्षद वार्ड नंबर 9), श्री नितेंद्र परिहार (पार्षद वार्ड नंबर 1), सुशांत श्रृंगीऋषि, मनीष मिश्रा, नरेन्द्र तिवारी, भगवान दास राय, सुरेंद्र अरजरिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कंचन कुमार राय ने किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक युवा का कर्तव्य है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और समाज में जनजागरण का माध्यम बने। कार्यक्रम के अंत में श्री अनिल कुमार ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। सहयोगी के रूप में दिव्यांश, राजेश, अभी, कुनाल राय, आदि रहे। संगोष्ठी का समापन सभी उपस्थित युवाओं द्वारा नशामुक्त समाज एवं विकसित भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेने के साथ हुआ।

हर गाँव, हर मोहल्ला: गूँजेगा संत रविदास जी का समरसता और समानता का संदेश - सुधीर सिंह

- झांसी की वीरधरा से संत शिरोमणि रविदास जी की जन्मस्थली की मिट्टी को नमन!

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित 'श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत रविवार को प्रेमनगर मंडल में भव्य कलश वंदन यात्रा एवं शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह कलश गुरु रविदास जी की पावन जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) की पवित्र मिट्टी से युक्त है। प्रेमनगर मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा के भ्रमण के दौरान क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं ने संत रविदास जी के चित्र तथा पवित्र कलश पर पुष्प-वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर झांसी सदर विधायक रवि शर्मा ने भट्टागांव से प्रारंभ हुई भव्य शोभायात्रा में सहभागिता की। इसके पश्चात उन्होंने नगरा स्थित संत रविदास आश्रम पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। विधायक रवि शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि संत गुरु रविदास जी का समरसता, समानता, प्रेम और मानवता का संदेश आज भी समाज को एकता एवं सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर करने की निरंतर प्रेरणा देता है। यात्रा के दौरान संत रविदास आश्रम, नैनागढ़ में एक विचार गोष्ठी का संचालन रानू देवलिया द्वारा किया गया। यह यात्रा भटगांव चौराहा, खिरक पट्टी चौराहा, अहिरवार समाज बस्ती एवं प्रेमनगर थाने, वाल्मीक मोहला, वाल्मीक मंदिर, नैनागढ़, संत रविदास मंदिर पहुंची जगह जगह पर तमानुष्ट मोर्चा, महिला मोर्चा द्वारा जगह जगह फूल माला, पुष्प वर्षा ढोल डीजे बजाकरकर स्वागत किया गया और विशाल जनसमूह ने भारत माता और संत रविदास जी के जयकारों के साथ कलश का पूजन और अभिनंदन किया। संत शिरोमणि रविदास जी की जन्मस्थली की मिट्टी को जगह जगह नमन किया गया, कार्यक्रम का समापन हंसारी में हुआ, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया सभी कार्यकर्ताओं एवं जनमानस को संत रविदास जी महाराज के बताए मार्ग पर चलकर समरस, समतामूलक एवं सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया,: 'संत रविदास जी ने जात-पात के भेदभाव को मिटाकर समाज को एकता के सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य किया। उनका सपना था कि समाज में कोई भी व्यक्ति दुखी न रहे और सभी मिलकर रहें। कलश मै रविदास जी जन्मस्थली की मिट्टी को हर गांव और हर मोहल्ला तक पहुंचने का संकल्प आम जन को दिलाया। कार्यक्रम का सफल संचालन यात्रा संयोजक संतराम पेंटर एवं सह-संयोजक अनुराग अहिरवार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रानू देवलिया, नेता सदन नरेंद्र नामदेव, संजय आनंद, पूर्व मंडल अध्यक्ष जीतू तोमर, सभासद हरिओम मिश्रा, अनिल अहिरवार, भरत सेन, आशीष चौकसे, धर्म करोसिया, विकास कुशवाहा, राकेश मुठेले, अशोक राजोतिया,अर्जुन मूठेले,राजू अहिरवार,राजेश राय, अजय अहिरवार, संतोष, के.के. शाक्य, अमित खटीक, सुनील जैन, आकाश वर्मा और सोनम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, स्थानीय श्रद्धालु वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद की सपा के वोट बैंक पर नजर; यूपी चुनाव को लेकर किया बड़ा खेल, बढ़ेगी अखिलेश की टेंशन

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने 45 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं। चंद्रशेखर की रणनीति ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए नई राजनीतिक चुनौती खड़ी करने की कोशिश की है।

पार्टी ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज के नेताओं को मैदान में उतारकर अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए समीकरण के समानांतर सामाजिक समीकरण साधने का प्रयास किया है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, आजाद समाज पार्टी के 45 घोषित उम्मीदवारों में 18 अनुसूचित जाति (एससी), 16 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 10 मुस्लिम और एक सिख समुदाय से हैं। पार्टी ने लखनऊ छावनी, गोविंद नगर, विश्वनाथगंज सहित पांच सामान्य सीटों पर भी अनुसूचित जाति के उम्मीदवार उतारे हैं। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि उम्मीदवारों के सामाजिक समीकरण से स्पष्ट है कि आजाद समाज पार्टी ने सपा और कांग्रेस के सामने नई चुनौती पेश करने की रणनीति बनाई है। उनके अनुसार, बसपा के जनाधार में आई गिरावट के बाद आजाद समाज पार्टी अब तक खुद को उसके विकल्प के रूप में पेश कर रही थी। वीरेंद्र सिंह रावत कहते हैं कि 45 उम्मीदवारों की सूची बताती है कि अब वह बसपा के साथ-साथ सपा और कांग्रेस को भी चुनौती देने की रणनीति पर काम कर रही है। 16 ओबीसी, 18 दलित, 10 मुस्लिम और एक सिख उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने अपने चुनावी लक्ष्य का स्पष्ट संकेत दिया है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतन मणि लाल का मानना है कि चंद्रशेखर आजाद ने इस बार अपनी चुनावी रणनीति बदलते हुए सीधे समाजवादी पार्टी के राजनीतिक आधार को चुनौती देने की कोशिश की है। शुरुआती दौर में चंद्रशेखर की राजनीति का केंद्र बसपा थी, लेकिन अब उन्होंने खुद को समाजवादी पार्टी के विकल्प के रूप में स्थापित करने की रणनीति अपनाई है। रतन मणि लाल कहते हैं कि जिन सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए हैं, वहां के सामाजिक समीकरण समाजवादी पार्टी के पीडीए फार्मूले से मेल खाते हैं। दलित, पिछड़े और मुस्लिम समुदाय पर फोकस बताता है कि चंद्रशेखर अब बसपा से ज्यादा सपा के वोट बैंक में राजनीतिक हस्तक्षेप करना चाहते हैं। हालांकि, रतन मणि लाल का कहना है कि फिलहाल आजाद समाज पार्टी का संगठन और चुनावी ढांचा इतना मजबूत नहीं है कि वह बड़े पैमाने पर सपा को चुनावी नुकसान पहुंचा सके। इसके बावजूद चंद्रशेखर ने सपा के भीतर राजनीतिक असहजता जरूर पैदा कर दी है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुनील चितौड़ ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी स्वतंत्र राजनीतिक विचारधारा के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है और किसी दल की 'बी-टीम' नहीं है। सुनील चितौड़ ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना है और उम्मीदवारों की अगली सूची 10 से 12 दिनों के भीतर जारी की जाएगी। सुनील चितौड़ ने कहा कि राजनीति में गठबंधन की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं। यदि भविष्य में किसी दल की ओर से बातचीत होती है तो इस पर अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद करेंगे। सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को टिकट नहीं दिए जाने के सवाल पर सुनील चितौड़ ने कहा कि पार्टी टिकट जाति नहीं, बल्कि विचारधारा और संगठन से जुड़ाव के आधार पर देती है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा कि सपा की लड़ाई पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के अधिकारों की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ मुद्दे उठाने वाली हर राजनीतिक ताकत विपक्ष के संघर्ष को मजबूत करती है। चंद्रशेखर आजाद को लेकर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी उन्हें अपना राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं मानती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजाद समाज पार्टी के साथ फिलहाल गठबंधन को लेकर कोई बातचीत या पहल नहीं हुई है।

दुकान के ताले तोड़कर 11 लाख की चोरी

9.20 लाख रुपए कैश और चांदी चुराकर ले गए चोर, पुलिस तलाश में जुटी

झांसी। झांसी में बदमाशों ने एक दुकान के ताले तोड़कर लगभग 11 लाख का माल चोरी कर लिया। वे 9.20 लाख रुपए कैश समेत आधा किलो वजनी चांदी की बुर्राक चुराकर ले गए। जब कारोबारी सुबह दुकान पर पहुंचा तो चोरी का पता चला।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू कर दी है। दुकान मालिक ने मोहल्ले के कुछ लोगों पर शक जाहिर किया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के सैंयर गेट बाहर मोहल्ले की है। सैंयर गेट बाहर मोहल्ला निवासी शहीद पुत्र फकीर मोहम्मद ने बताया कि उनके घर में ही जनरल मर्चेंट की दुकान है। साथ ही वह 42 लोगों की एक सोसाइटी का पैसा भी जमा करते हैं। सभी सदस्य हर महीने 10-10 हजार रुपए जमा करते हैं। आम तौर पर 25 से 30 तारीख के बीच सोसाइटी का पैसा किसी एक सदस्य को दे दिया जाता है। इस बार पैसा नहीं दिया जा सका। सोसाइटी के 4.20 लाख रुपए दुकान में रखे थे। बेटे शाहिद की आंखों के उपचार के लिए निकाले गए 5 लाख रुपए भी दुकान में रखे थे। शहीद ने बताया कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे दुकान बंद करके बगल में बने घर में सोने चले गए। आधी रात के बाद चोर दुकान के बगल लगे दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। दुकान के अंदर रखी पूरी नकदी और आधा किलो वजनी चांदी की बुर्राक चुराकर ले गए। रविवार सुबह करीब 9 बजे जब उन्होंने दुकान का शटर खोला तो चोरी का पता चला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की। हालांकि आसपास कोई भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था, जिससे कोई अहम सुराग नहीं मिल सका। पुलिस दुकानदार द्वारा बताए गए घटनाक्रम की भी जांच कर रही है। सीओ सिटी रामवीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

विश्व हिंदू परिषद की क्षेत्रीय बैठक में सोमेंद्र यदुवंशी को फिर सौंपी गई झांसी विभाग की जिम्मेदारी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। गोरखपुर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तीन दिवसीय क्षेत्रीय पूर्णकालिक बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में विहिप के पूर्वी लखनऊ क्षेत्र के सभी जिलों एवं विभागों के प्रमुख पदाधिकारियों और पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और विस्तार योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण भी किया गया। इसी क्रम में झांसी विभाग की जिम्मेदारी एक बार फिर सोमेंद्र यदुवंशी को सौंपी गई। उनके कार्यक्षेत्र में झांसी महानगर, झांसी ग्रामीण, उरई और ललितपुर सहित चार जिले शामिल हैं। संगठन नेतृत्व ने सोमेंद्र यदुवंशी के पूर्व कार्यकाल में किए गए संगठनात्मक कार्यों और सक्रिय भूमिका पर विश्वास जताते हुए उन्हें दोबारा यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उनके नेतृत्व में इन चारों जिलों में संगठन विस्तार, सेवा कार्यों, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने के अभियान को और गति देने की अपेक्षा व्यक्त की गई। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, सेवा प्रकल्पों, सामाजिक समरसता, धर्म जागरण और हिंदू समाज को संगठित करने के विभिन्न विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसंपर्क बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718